

विजिलेंस जांच में महिला शिक्षिकाओं से अभद्रता का आरोप, कलेक्टर की जनसुनवाई में पहुंचा मामला

विद्यालय प्रबंधन का आरोप,पैसा न देने पर अधिक विद्युत भार व दंड लगाने की दी धमकी, पंचनामा में वास्तविकता से अधिक उपकरण दर्ज करने का भी दावा

सिंगरौली। नवजीवन पब्लिक स्कूल बनौली में विद्युत विभाग की विजिलेंस टीम द्वारा की गई जांच को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। विद्यालय प्रबंधन एवं वहां कार्यरत महिला शिक्षिकाओं ने जांच के दौरान कथित अभद्र व्यवहार, धमकी देने, धनराशि की मांग करने तथा वास्तविकता से अधिक विद्युत भार और उपकरण दर्शाकर पंचनामा तैयार करने के आरोप लगाए हैं। मामले की शिकायत कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी से कर निष्पक्ष जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई है। विद्यालय प्रबंधन को ओर से दी गई शिकायत में कहा गया है कि 25 अगस्त 2026 को कुछ विजिलेंस अधिकारी विद्युत

संबंधी जांच के लिए विद्यालय पहुंचे थे। आरोप है कि महिला शिक्षिकाओं ने अधिकारियों से परिचय, पदनाम और जांच का उद्देश्य बताने के साथ विजिटिंग रजिस्टर में विवरण दर्ज करने का अनुरोध किया, लेकिन कथित रूप से उनके साथ उचित व्यवहार नहीं किया गया। शिकायत में एक गर्भवती शिक्षिका को धमकीपूर्ण अंदाज में यह कहे जाने का आरोप लगाया गया है कि इतना भार लगा देंगे कि सब कुछ यहीं हो जाएगा।इससे शिक्षिकाओं में भय और असहजता की स्थिति बनने का दावा किया गया है।शिकायत में 25 अगस्त की विजिलेंस कार्रवाई, पंचनामा और विद्युत भार की पुनः जांच, जांच दल के अधिकारियों के नाम-पद एवं

आधिकारिक संपर्क विवरण उपलब्ध कराने तथा भविष्य में महिला शिक्षिकाओं वाले संस्थानों में संभव हो तो महिला निरीक्षक की मौजूदगी सुनिश्चित करने की मांग की गई है। विद्यालय प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि उसका उद्देश्य किसी अधिकारी को बदनाम करना नहीं, बल्कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविकता सामने लाना है।बताया कि निर्नमित भवन में हाल ही में संचालन शुरू किया गया था और कमर्शियल कनेक्शन की आवश्यकता की जानकारी पहले नहीं थी। 25 अगस्त की जांच के दौरान जानकारी मिलने के बाद तत्काल कमर्शियल कनेक्शन के लिए आवेदन किया गया तथा डिमांड नोट भी प्राप्त किया गया।

प्रबंधन ने इसे जानबूझकर नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि जानकारी के अभाव की स्थिति बताते हुए मानवीय आधार पर राहत देने की मांग की है। शिकायत में विद्यालय में मौजूद महिला शिक्षिकाओं के फोटो उनकी सहमति के बिना मोबाइल फोन से लिए जाने का आरोप भी लगाया गया है।प्रबंधन ने फोटो लेने के उद्देश्य, विभागीय आधार और उनके उपयोग की जानकारी उपलब्ध कराने की मांग की है। साथ ही आरोप लगाया गया है कि धनराशि नहीं देने पर विद्यालय पर अधिक विद्युत भार एवं भारी दंड लगाने की धमकी दी गई। प्रबंधन ने इन आरोपों की स्वतंत्र जांच कराने और मौके पर मौजूद शिक्षिकाओं के बयान दर्ज करने का अनुरोध किया है।

विद्यालय प्रबंधन का दावा है कि पंचनामा में वास्तविकता से अधिक विद्युत उपकरण और भार दर्शाया गया। शिकायत के अनुसार विद्यालय में एक एचपी की एक मोटर, करीब 12 से 15 पंखे, नौ बल्ब तथा लगभग पांच कैमरे बताए गए हैं, जबकि पंचनामा में 11 कैमरे दर्ज किए जाने का आरोप है। कंप्यूटर के नाम पर भी उचित भौतिक सत्यापन के बिना उपकरण जोड़े जाने की बात कही गई है। अन्य मद में करीब एक हजार रुपये दर्शाए जाने पर भी प्रबंधन ने गणना का आधार पूछते हुए स्पष्टीकरण मांगा है। करीब चार किलोवाट विद्युत भार निर्धारित किए जाने की भी पुनः जांच की मांग की गई है।

नगर निगम आयुक्त के निर्देशन में अवैध अतिक्रमण पर बड़ी कार्यवाही

नवजीवन विहार और इंद्रा चौक क्षेत्र में नाली व सड़क को कराया गया अतिक्रमण मुक्त

सिंगरौली। नगर पालिक निगम सिंगरौली द्वारा शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और नालियों के सुचारु प्रवाह को बनाए रखने के लिए अवैध अतिक्रमण के खिलाफ सख्ता रुख अपनाया गया है। नगर निगम आयुक्त सविता प्रधान के स्पष्ट दिशा-निर्देशन तथा उपायुक्त श्री आरपी बैस के प्रत्यक्ष नेतृत्व में निगम प्रशासन की टीम ने नवजीवन विहार और विन्ध्यनगर मेन रोड स्थित इंद्रा चौक चौराहे के आसपास व्यापक अतिक्रमण रोधी कार्रवाई को अंजाम दिया। इस दौरान सड़क और नालियों पर अवैध रूप से कब्जा जमाए दुकानदारों और ठेला चालकों में हड़कंप का माहौल देखा गया।

नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों ने दल-बल के साथ कार्रवाई करते हुए सार्वजनिक रास्तों, सड़कों के किनारों और नालियों के ऊपर किए गए अस्थायी व स्थायी निर्माणों को हटवाया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नालियों



और सड़कों पर अतिक्रमण होने के कारण न केवल दैनिक यातायात घुरी तरह प्रभावित होता है, बल्कि जल भयव की गंभीर समस्या भी पैदा हो जाती है। सड़क और नाली की सीमा में किसी भी प्रकार का कब्जा शहर के विकास और व्यवस्था में बड़ी बाधा बनता है, जिसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया करें। कार्रवाई के दौरान निगम अमले ने सभी दुकानदारों और अन्य संबंधित लोगों को सख्त समझाझट दी कि वे नाली के ऊपर या सड़क के दायरे में अपनी दुकानें, ठेले या कोई अन्य सामग्री लगाकर आवगमन एवं जल निकासी में

बाधा उत्पन्न न करें। अंत में नगर निगम प्रशासन ने सिंगरौली के समस्त नागरिकों, व्यापारियों और राहगीरों से अपील की है कि वे सार्वजनिक स्थानों, सड़कों एवं नालियों पर अतिक्रमण न करें और शहर की स्वच्छता तथा सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन को अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें। कार्रवाई के दौरान निगम अमले अधिकारी बीजी चतुर्वेदी, सहायक यंत्री प्रवीण गोस्वामी, सहायक यंत्री दिनेश तिवारी, स्वच्छता निरीक्षक पवन बरोदे सहित नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी एवं सफाई मित्र उपस्थित रहे।

38 वर्ष की सेवा के बाद सहायक उप निरीक्षक उपेन्द्र सिंह भदौरिया हुए सेवानिवृत्त, साथियों ने दी भावभीनी विदाई



सिंगरौली। पुलिस विभाग में अपनी सेवा के 38 वर्ष की लंबी सेवा पूर्ण करने के बाद सहायक उप निरीक्षक उपेन्द्र सिंह भदौरिया 31 अगस्त 2026 को सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर थाना माड़ा में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विदाई समारोह आयोजित कर उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य व अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। उपेन्द्र सिंह भदौरिया ने 5 जनवरी 1988 को छतरपुर जिले में आरक्षक के पद

पर पुलिस विभाग में अपनी सेवा शुरू की थी। वर्ष 2013 में स्थानांतरण के बाद वह पुलिस लाइन सिंगरौली में पदस्थ हुए। वर्ष 2015 में तिनगुड़ी चौकी में उनकी पहली पदस्थापना हुई। इसके बाद उन्होंने माड़ा, अजाक और सरई थाने में भी सेवाएं दीं। सेवानिवृत्ति से करीब तीन माह पूर्व स्थानांतरण होने पर उन्होंने पुनः थाना माड़ा में अपनी सेवाएं दीं। मूलरूप से सीधी जिले के छोटे से गांव बघवार निवासी उपेन्द्र सिंह भदौरिया को

तिनगुड़ी चौकी में पदस्थापना के दौरान क्षेत्र में अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई के लिए जाना जाता रहा। लामिदह गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में हुई कई बड़ी चोरियों के आरोपितों को पकड़ने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दूसरे राज्यों से आने वाले पुलिस बल के साथ भी उन्होंने कई मामलों में सहयोग किया, जिसके लिए उन्हें कई बार पुरस्कृत किया गया। विदाई समारोह में पुलिस अधीक्षक सिंगरौली सियाज केएम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सर्वप्रिय सिन्हा, एसडीओपी रोशनी कर्मा, रक्षित निरीक्षक केशव सिंह सहित थाना माड़ा के पुलिसकर्मी मौजूद रहे। अधिकारियों व साथियों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए स्वस्थ एवं सुखद सेवानिवृत्त जीवन की शुभकामनाएं दीं।

जनपद अध्यक्ष की अध्यक्षता में 8 सितंबर को होगी सामान्य सभा की बैठक

सिंगरौली। जनपद पंचायत बैठन की सामान्य सभा की बैठक 8 सितंबर 2026 को दोपहर 1 बजे जनपद पंचायत सभागार में जनपद अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित होगी। बैठक में क्षेत्र में संचालित विकास कार्यों, निर्माण कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। बैठक में 15वें वित्त आयोग की वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना, जनपद पंचायत भवन निर्माण, अतिवृष्टि से हुई क्षति, ग्रामीण विद्युत व्यवस्था, जले ट्रॉंसफार्मरों की बदलने एवं विद्युतीकरण जैसे विषयों पर चर्चा होगी। साथ ही शासकीय विद्यालयों में गणवेश, साइकिल, छात्रवृत्ति एवं मध्याह्न भोजन वितरण, वनाधिकार पट्टे, संजवाल एवं कर्मचार योजना के पंजीयन तथा खाद्यान्न पात्रता पर्चियों की स्थिति की समीक्षा की जाएगी।

कलेक्टर के निर्देशन में डाक विभाग के सहयोग से नवजात बच्चों के जिला चिकित्साल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों मे बनाये जायेगे आधार कार्ड

प्रत्येक मंगलवार एवं बुधवार निर्धारित केन्द्रों पर आधार पंजीयन एवं अपडेशन की सुविधा उपलब्ध

सिंगरौली। कलेक्टर गौरव बैनल के निर्देशानुसार जिले में 0 से 1 वर्ष आयु वर्ग के नवजात शिशुओं का शत-प्रतिशत आधार नामांकन सुनिश्चित करने हेतु डाक विभाग विभाग के सहयोग से नवजात बच्चों के जिला चिकित्साल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों मे आधार पंजीयन एवं अपडेशन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। कलेक्टर के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार एवं बुधवार निर्धारित केन्द्रों जिला चिकित्सालय बैड़न, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र देवसर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चितरंगी तथा सिविल अस्पताल बरगवा में आधान पंजीकरण एवं अपडेशन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। प्रत्येक



केन्द्र में डाक विभाग के दो कर्मचारियों द्वारा आधार सुविधा के साथ डाक विभाग की योजना एवं बैंकिंग सेवाओ से आम जन मानस को लाभान्वित कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि शासकीय अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केन्द्रों में जन्म लेने वाले प्रत्येक नवजात का आधार नामांकन जन्म स्थान पर ही सुगम रूप से कराया जाए, ताकि

कोई भी बच्चा आधार पंजीकरण से वंचित न रहे। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं अन्य शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में आधार ऑपरेटरों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। जिला एवं तहसील स्तर के अस्पतालों में निर्धारित दिवसों पर मोबाइल आधार किट के साथ आधार ऑपरेटर की सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों एवं उप-स्वास्थ्य केंद्रों पर भी संस्थागत जन्म दर के आधार पर आधार नामांकन की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि नवजात शिशु के जन्म पंजीयन के साथ ही आधार नामांकन की

प्रक्रिया पूरी करने का प्रयास किया जाए। साथ ही अभिभावकों का मोबाइल नंबर आधार में अपडेट किया जाए, जिससे शासन की विभिन्न प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा हो। इस व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) एवं इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक (आईपीपीबी) के जिला स्तरीय समन्वयकों के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को नियमित निगरानी करते हुए जिले में नवजात शिशुओं के शत-प्रतिशत आधार नामांकन का लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए।

सिंगरौली ने नेतृत्व की विरासत एवं समर्पित सेवाओं को किया सम्मानित

सिंगरौली। एनटीपीसी सिंगरौली में दीर्घकालीन, समर्पित एवं उत्कृष्ट सेवाओं के उपरान्त सेवानिवृत्त हो रहे सीएच किशोर कुमार, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) एवं राम अजोर यादव, वरिष्ठ प्रबंधक (सीएडएम) के सम्मान में दिनांक 31 अगस्त 2026 को प्रशासनिक भवन परिसर स्थित पुस्तकालय भवन के सभागार में गरिमामयी सम्मान एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दोनों अधिकारियों के दीर्घ एवं गौरवपूर्ण सेवाकाल तथा एनटीपीसी की विकास यात्रा में उनके बहुमूल्य योगदान, उत्कृष्ट नेतृत्व, कर्तव्यनिष्ठा, कार्य के प्रति प्रतिबद्धता एवं विशिष्ट



विशेषज्ञता का भावपूर्ण अभिनंदन किया गया। अपने सेवाकाल के दौरान उन्होंने संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए संस्थान की प्रगति एवं सुदृढ़ता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। समारोह में उपस्थित सहकर्मियों एवं शुभेच्छुओं ने उनके उल्लेखनीय योगदान एवं समर्पित सेवाओं के प्रति हार्दिक

आभार व्यक्त करते हुए उनके जीवन के आगामी अध्याय के लिए सुखद, स्वस्थ, समृद्ध एवं संतोषपूर्ण भविष्य की मंगलकामनाएं प्रेषित कीं। इस गरिमामयी अवसर पर ई. प्रभाकर राव, परियोजना प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक, एनपीटीसी सिंगरौली, श्रीमती ई. निर्मला राव, अध्यक्ष (वनिता समाज), अंजन पाल, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं ईधन

प्रबंधन), सुनील कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग), सौमित्र घोष, महाप्रबंधक (अनुरक्षण ऐश डाइक प्रबंधन), एके सिंह, महाप्रबंधक (तकनीकी सेवाएँ), तथा श्रीमती सुधा किशोर, उपाध्यक्षा (वनिता समाज) की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, यूनिनयन एवं एसोसिएशन के पदाधिकारी, अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण तथा वनिता समाज की वरिष्ठ सदस्याएं उपस्थित रहीं। सभी ने सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों की दीर्घकालीन सेवाओं, संगठन के प्रति उनकी निष्ठा एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए हार्दिक सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की।

खाखन पुल पर एसपी ने लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा, भारी वाहनों की नो एंट्री

सिंगरौली। लगातार बारिश और तेज जलप्रवाह से प्रभावित खाखन पुल की मरम्मत के बाद अब इसे दोपहिया और छोटे चारपहिया वाहनों के आवागमन के योग्य बनाया गया है। हालांकि पुल की वर्तमान स्थिति को देखते हुए भारी और बड़े वाहनों के आवागमन पर रोक रखी गई है। यातायात व्यवस्था और सुरक्षा का जायजा लेने पुलिस अधीक्षक सिंगरौली पियाज के.एम. मंगलवार को स्वयं खाखन पुल पहुंचे। मौके पर भारी वाहनों के कारण जाम की स्थिति सामने आने पर एसपी ने वाहन चालकों से संवाद किया और उन्हें पुल से भारी वाहन नहीं ले जाने की समझाइश दी।

जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत ने सुनीं 145 आवेदकों की समस्याएं

सिंगरौली। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत संघ प्रिय ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं एवं मांगें सुनीं। जनसुनवाई के दौरान कुल 145 आवेदन प्राप्त हुए। सीईओ जिला पंचायत ने प्राप्त आवेदनों पर संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी लेते हुए उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। सीईओ जिला पंचायत ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ परीक्षण कर सात दिवस के भीतर नियमानुसार पुणवतापूर्ण निराकरण



सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन प्रस्तुत करने तथा आवेदकों को उनके प्रकरण में हुई कार्रवाई की जानकारी समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई शासन की महत्वपूर्ण लोकहितकारी व्यवस्था है। इसके माध्यम से आम नागरिक अपनी समस्याएं सीधे

प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। इसलिए अधिकारियों का दायित्व है कि प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के साथ निराकरण करते हुए नागरिकों को राहत प्रदान करें। उन्होंने अनावश्यक विलंब से बचने और प्रकरणों के निराकरण में पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। सीईओ जिला पंचायत ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्धारित समय-सीमा में प्रकरणों का निराकरण नहीं करने अथवा कार्य में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कागजों में बन गया पीसीसी मार्ग, जमीन पर नहीं मिला निशान!

सिंगरौली। ग्राम पंचायत पिपरा झांपी में विकास कार्यों के नाम पर कथित वित्तीय अनियमितताओं का मामला कलेक्टर की जनसुनवाई तक पहुंच गया है। ग्राम पिपरा झांपी निवासी अजय सिंह बैस ने कलेक्टर को शिकायत सौंपकर पीसीसी मार्ग निर्माण सहित अन्य पंचायती कार्यों में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता ने मामले की विस्तृत जांच कर दोषियों पर कार्रवाई और सरकारी राशि की वसूली की मांग की है। शिकायत के मुताबिक ग्राम पंचायत पिपरा झांपी की सरपंच रंगीता खैरवार और पंचायत सचिव सजनु सोनवानी द्वारा अखंड बैस के घर से हाईस्कूल की ओर जाने वाले मार्ग पर पीसीसी सड़क निर्माण कार्य दर्शाया गया है। आरोप है कि पंचायत के रिकॉर्ड में इस कार्य का बिल दर्ज है और भुगतान भी किया जा चुका है, लेकिन मौके पर कथित रूप से

पिपरा झांपी पंचायत में 4.90 लाख रुपये के भुगतान पर उठे सवाल, ग्रामीण ने कलेक्टर की जनसुनवाई में शिकायत देकर जांच और वसूली की मांग की

पीसीसी सड़क का निर्माण दिखाई नहीं देता। शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि 20 अप्रैल 2026 को उक्त कार्य में 4 लाख 90 हजार रुपये की सामग्री एवं अन्य खर्च दर्शाए गए। इसमें 500 बोरी सीमेंट, मिक्सर मशीन के लिए 20 हजार रुपये, पीसीसी ढलाई के भाड़े के लिए 20 हजार रुपये तथा करीब तीन लाख रुपये की गिट्टी-पत्थर की राशि शामिल बताई गई है। इसके बावजूद मौके पर सड़क नहीं मिलने के आरोप ने पंचायत के कार्यों और भुगतान प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अजय सिंह बैस ने शिकायत में आरोप लगाया है कि यह कथित अनियमितता केवल एक कार्य तक सीमित नहीं है। पंचायत क्षेत्र में सड़क, नाली समेत अन्य विकास कार्यों में भी गड़बड़ी की आशंका जताई गई है। उनका कहना है कि यदि सरकारी अभिलेखों में भुगतान हो चुका है और धरातल पर कार्य नहीं हुआ, तो विकास निधि के उपयोग की निष्पक्ष जांच जरूरी है। शिकायतकर्ता ने कलेक्टर से पंचायत के सभी बिल, भुगतान रिकॉर्ड और निर्माण कार्यों का भौतिक सत्यापन कराने, अनियमितता पाए जाने पर संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई करने तथा राशि की वसूली सुनिश्चित करने की मांग की है। शिकायत के साथ पीसीसी मार्ग के फोटो और संबंधित बिलों की प्रतियां भी संलग्न किए जाने की बात कही गई है।

तबादले की फाइल अटकी, आखिर किसके इशारे पर रुकी पुलिस विभाग की स्थानांतरण सूची

जयंत, गोरबी और यातायात थाना प्रभारी विहीन, विभागीय सुनवाई नहीं होने से राजनीतिक सिफारिशों की चर्चा तेज

सिंगरौली। जिले के पुलिस महकमे में तबादले को लेकर इंतजार अब बेचैनी में बदलता दिखाई दे रहा है। सब इंस्पेक्टर, दरोगा, मुंशी और आरक्षकों से लेकर लंबे समय से पुलिस लाइन में पदस्थ कर्मचारियों तक कई पुलिसकर्मी स्थानांतरण और थाना-चौकी में पदस्थापना की उम्मीद लगाए बैठे हैं। चर्चा है कि स्थानांतरण सूची तैयार होने के बावजूद फाइल आगे नहीं बढ़ पा रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर सूची पर निर्णय लेने में देरी क्यों हो रही है और इसके पीछे कौन-सी प्रशासनिक वजह है?

सूचों के मुताबिक कई पुलिसकर्मी अपनी पदस्थापना और स्थानांतरण को लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आवेदन दे चुके हैं। कुछ कर्मचारियों ने पारिवारिक एवं व्यक्तिगत परिस्थितियों का हवाला देते हुए भी अपनी समस्या अधिकारियों के सामने रखी है। इसके बावजूद लंबे समय से निर्णय नहीं होने के कारण कर्मचारी बार-बार भोपाल से लेकर एसपी कार्यालय के चक्र कार्टेन को मजबूर बताए जा रहे हैं। पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली में मैदानी बल की भूमिका सबसे अहम होती है। ऐसे में यदि अनुभवी पुलिसकर्मी लंबे समय तक पुलिस लाइन में पदस्थ रहें और दूसरी ओर थाना-चौकियों में प्रभारी पद रिक्त अथवा अतिरिक्त प्रभार के भरोसे चल रहे हों, तो व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। चर्चा है कि जयंत चौकी, गोरबी चौकी और यातायात थाना में नियमित प्रभारी की पदस्थापना को लेकर स्थिति

स्पष्ट नहीं है। यदि संबंधित स्थानों पर प्रभारी पद रिक्त हैं, तो कानून-व्यवस्था और यातायात व्यवस्था के लिहाज से विभाग को जल्द निर्णय लेना चाहिए। विभागीय स्तर पर समय पर सुनवाई नहीं होने की स्थिति में कुछ पुलिसकर्मियों द्वारा जनप्रतिनिधियों और मंत्रियों तक अपनी बात पहुंचाने की चर्चा भी है। यही स्थिति पुलिस महकमे के लिए असहज जवाब खड़े करती है-क्या एक पुलिसकर्मी को अपनी पदस्थापना या तबादले के लिए विभागीय प्रक्रिया के बजाय राजनीतिक सिफारिश का सहारा लेना पड़ेगा? प्रभारी मंत्री संपतिया उश्के की निगरानी में जिले की प्रशासनिक व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है। पुलिसकर्मियों की लंबित मांगों पर यदि निर्णय लेना विभागीय अधिकार क्षेत्र में है, तो उसे

अनिश्चितकाल तक लंबित रखने की वजह क्या है? और यदि सूची तैयार नहीं है तो इसकी स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं की जा रही? पुलिसकर्मी तबादले की आस में एसपी कार्यालय के चक्र कार्ट रहे हैं और विभाग में स्थानांतरण सूची तैयार होने की चर्चा है, लेकिन आदेश का इंतजार खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। सवाल यह है कि जब पुलिसकर्मियों की फरियाद विभागीय स्तर पर पहुंच चुकी है तो फिर फाइल की रफ्तार अचानक धीमी क्यों है? प्रभारी मंत्री संपतिया उश्के जिले की जिम्मेदारी संभाल रही हैं, ऐसे में क्या उन्हें पुलिसकर्मीयों की यह बेचैनी दिखाई नहीं दे रही? या फिर तबादलों की फाइल पर खामोशी ही फिलहाल सबसे सुविधाजनक व्यवस्था है? पुलिस लाइन में वर्षों

से जमे कर्मचारियों और प्रभारी विहीन थाना-चौकियों के बीच अब निगाहें मंत्री जी की ओर हैं, देखा है फरियाद पहले सुनाई देती है या फाइल पहले चलती है। पुलिसकर्मी कठिन परिस्थितियों में लंबे समय तक ड्यूटी करते हैं। ऐसे में उनके स्थानांतरण या पदस्थापना से जुड़े आवेदनों पर समयबद्ध निर्णय केवल कर्मचारियों की सुविधा का विषय नहीं, बल्कि विभागीय मनोबल से भी जुड़ा है। सबसे अहम बात यह है कि स्थानांतरण प्रक्रिया को लेकर विभाग आधिकारिक स्थिति स्पष्ट करे। सूची तैयार है तो आदेश कब तक होंगे? सूची तैयार नहीं है तो इसकी वास्तविक स्थिति क्या है? इन सवालों के जवाब पुलिसकर्मियों के साथ-साथ आम लोगों को भी मिलना चाहिए।



संपादकीय

प्रकृति की चेतावनी, भारत पर मंडरा रहा खतरा

बुधवार सुबह उत्तरी नेपाल के रसुवा जिले में अचानक आई विनाशकारी बाढ़ के बाद भारत में भी खतरा बढ़ गया है। उत्तरी बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के निचले इलाकों में नदिया के जलस्तर बढ़ने की चेतावनी जारी की गई है। निचले इलाके के लोगों को सुरक्षित जगहों पर ले जाया जा रहा है।उत्तरी नेपाल की भोटे कोशी नदी में अचानक आई भीषण बाढ़ का खतरा भारत पर भी मंडरा रहा है। नेपाल की सीमा से लगते यूपी और बिहार के इलाकों में अलर्ट जारी किया गया है। कई मौतें हुई हैं, सैकड़ों लापता हैं और बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचा है। नेपाल को इस आपदा से उबरने में लंबा समय लगेगा। लापता लोगों में सौ से ज्यादा भारतीय नागरिक भी बताए जा रहे हैं, जो कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर निकले थे। इन लोगों के बचाव और राहत अभियान के लिए नेपाल को बड़े पैमाने पर मदद की जरूरत है। भारत ने इस मौके पर फौरन कदम उठाए हैं। अभी प्रारंभिकता प्रभावितों तक पहुंचना और जो इलाके संकट की जद में आ सकते हैं, वहां तैयारी करना है, लेकिन इसके साथ कुछ जरूरी सवाल भी पूछे जाने चाहिए। बिहार के लिए यह अनुभव नया नहीं। सीमापार से आने वाली कोसी, गंडक, बागमती और कमला जैसी नदियां हर साल राज्य में बाढ़ की बड़ी वजह बनती हैं। नेपाल के पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश, भूस्खलन या ग्लेशियर से जुड़ी घटनाओं का असर उत्तरी बिहार तक पड़ता है। हालांकि दोनों देशों के बीच बाढ़ की निगरानी और चेतावनी के लिए मैकेनिज्म मौजूद है, लेकिन इसके साथ रुकी हुई परियोजनाओं को भी आगे बढ़ना होगा। इसमें सबसे महत्वपूर्ण सतकोशी हाई डैम परियोजना है, जो कोसी नदी पर प्रस्तावित है। इसका उद्देश्य बाढ़ नियंत्रण के साथ सिंचाई और बिजली उत्पादन भी है, लेकिन यह लंबे समय से फंसी हुई है। दूसरा सवाल जुड़ा है पर्यावरण से। अनुमान है कि तिब्बत क्षेत्र में ग्लेशियर फटने या भूस्खलन के कारण तबाही आई। हिमालयी क्षेत्र में इस तरह की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। सबसे बड़ी वजह है क्लाइमेट चेंज के कारण इस रीजन का बढ़ता तापमान। नेपाल के एक रिसर्च रूप् ने इसी साल अपनी रिपोर्ट में बताया था कि हिंदू कुश हिमालयी श्रृंखला के ग्लेशियर साल 2000 के बाद से दोगुनी रफ्तार से पिघल रहे हैं। चिंताजनक बात यह है कि इसके बावजूद संवेदनशील क्षेत्रों में इंसानी गतिविधियां जारी हैं, जिससे पर्यावरण को नुकसान बढ़ता जा रहा है।करीब दो अरब लोग हिमालय से निकलने वाली नदियों के पानी पर निर्भर हैं।

वंदे मातरम् पर सियासत, लेकिन साफ हवा-पानी की बात क्यों नहीं?

(तवलीनसिंह)

वंदे मातरम् का गीत तो अनिवार्य कर चुके हैं हमारे राजनेता, लेकिन क्यों नहीं साथ में यह भी करते हैं कि हमारी नदियां, हवा, गांव, शहर और महानगर को भी साफ रखने का काम अनिवार्य किया जाए। हमारे राजनेताओं ने इतना बुरा हाल करके रखा है कि जब वंदे मातरम् की पंक्तियां सुनने को मिलती हैं, तो मेरे जैसे लोगों के मन में कुछ और सवाल उठने लगते हैं। मिर्जा गालिब के एक शेर की पंक्ति है, जो पिछले सप्ताह बहुत याद आई मुझे। पंक्ति है- ‘शर्म तुमको मगर नहीं आती’। यह पंक्ति तब याद आई, जब वंदे मातरम् को राजनीतिक हथियार बनाया गया। पहले इस हथियार से सोनिया गांधी पर वार हुआ। स्वतंत्रता दिवस पर भारतीय जनता पार्टी के सबसे ज्यादा हल्ला मचाने वाले प्रवक्ताओं ने कहा उस दिन कि जब कांग्रेस के मुख्यालय में झंडा फहराया जा रहा था, तब सोनिया गांधी ने वंदे मातरम् के अंतिम हिस्से को गाने से पार्टी कार्यकर्ताओं को मना किया।

याद कीजिए, किस तरह सोनिया गांधी कांग्रेस अध्यक्ष के साथ खड़ी दिखी थीं उस समय और कैसे अचानक उन्होंने इशारा किया। इसे भाजपा के योद्धाओं ने ऐसा मान लिया कि वह उन अंतिम पंक्तियों को न गाने के लिए कह रही थीं, जिनमें हिंदू देवियों की वंदना की जाती है।

यह बात जब कांग्रेस के मीडिया शेरों तक पहुंची, तो पहले उन्होंने कहा कि ऐसा कुछ नहीं था। सोनिया गांधी सिर्फ कह रही थीं कि कांग्रेस अध्यक्ष की उम्र का लिहाज करके उनका लिए कुर्सी लाई जाए। बाद में कांग्रेस के आला नेताओं ने अपना मन बदलकर कहा कि वंदे मातरम् की देवी वंदना वाली

पंक्तियों को न गाने के लिए वर्ष 1937 में कांग्रेस ने फैसला किया था, ताकि पार्टी के मुस्लिम सदस्यों की आस्था को चोट न पहुंचे। मुसलमानों को आदेश है उनके पैगंबर से कि वंदना सिर्फ अल्लाह की हो सकती है। खूब हल्ला मचाया इस बात को लेकर



भाजपा के प्रवक्ताओं ने यह याद दिलाकर कि अब कानून बन गया है, जिसके तहत राइ गान या गीत का पूरा न गाया जाना अपराध माना जाएगा। यह हल्ला चल ही रहा था कि राहुल गांधी ने पुणे में महिलाओं के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए मनुस्मृति का हवाला दिया और सलाह दी कि उन्हें अपना अस्तित्व किसी पुरुष से नहीं जोड़ना चाहिए। मनुस्मृति में कहा गया है कि महिला पहले बेटी होती है, फिर पत्नी और फिर मां, यानी उसके जीवन का आधार यही चीजें होनी चाहिए। राहुल गांधी इन दिनों महिलाओं के बहुत बड़े हमदर्द हैं, इसलिए उन्होंने जज्जती होकर कहा कि महिलाओं को इस किस्म की ‘पैट्रियाकी’ (पितृसत्ता) को अपने जीवन से बाहर फेंक देना चाहिए। साथ ही यह भी कहा कि ऐसी सोच से कांग्रेस अपने आपको दूर रखती है, लेकिन यह सोच सधियों की है। इस वक्तव्य के कुछ ही घंटों बाद भारतीय जनता पार्टी की महिला

प्रवक्ताएं दिखी टीवी और सोशल मीडिया पर राहुल गांधी को बुरा-भला कहती हुई। सबसे बेमतलब बात आई बासुरी स्वराज की ओर से, जिन्होंने कहा कि ‘पैट्रियाकी’ की बात करने से पहले राहुल गांधी वंदे मातरम् को पूरा गा कर तो दिखाएं। जैसे हम



पंजाबी में कहते हैं- ‘न गल, न वास्ता’। वंदे मातरम् इसमें आया कैसे? इस बीच येल यूनिवर्सिटी की एक रिपोर्ट आई, जिससे मालूम हुआ कि पर्यावरण को लेकर अपने भारत में इतनी लापरवाही है कि 177 देशों में से हमारा नंबर 176 है। सिर्फ लाओस है, जहां हमसे भी बुरा हाल है। वैसे हमें जरूरत नहीं है किसी सर्वेक्षण से हमारे बेहाल पर्यावरण का ज्ञान लेने की। आप घर से निकल कर दो कदम किसी शहर, महानगर या गांव में चलकर देख सकते हैं सड़ते कुड़े के ढेर, जहां अक्सर लावारिस पशु और कुत्ते नजर आते हैं। हमारे महानगरों में वायु इतनी प्रदूषित है कि दमे के मरीजों को डाक्टर सलाह देते हैं कि सर्दियों का मौसम शुरू होते ही उनको कहीं और चले जाना चाहिए। हमारी नदियों का यह हाल है कि उनका पानी पीना ही बीमारी को न्योता देने के बराबर है। बरसात के मौसम में हमारे कई शहर पूरी तरह डूब जाते हैं, इसलिए कि जिन नालों को बनाया

गया था बारिश के पानी की निकासी के लिए, उनमें इतना कूड़ा जमा है कि जैसे दशकों से उनको साफ ही नहीं किया गया है। वहीं, काकरोच जनता पार्टी ने जब से ‘स्कूल ठीक करो’ वाली मुहिम शुरू की है, रोज सोशल मीडिया पर दिखते हैं ऐसे स्कूल जिनमें ऐसा लगता है कि वहां कभी सफाई नहीं हुई है। स्वच्छ भारत अभियान के दौरान जो शौचालय बने थे स्कूलों में वे इतने गंदे हैं कि बच्चे इन्हें इस्तेमाल करने से भी कतराते हैं। स्कूलों को ठीक करने का काम राज्य सरकारों का है, लेकिन यहां याद दिलाना जरूरी है कि आज की स्थिति यह है कि शायद ही देश में कोई बड़ा राज्य है, जहां भारतीय जनता पार्टी की ‘डबल-ईजन’ सरकार का शासन न हो। तो किस मुंह से भारतीय जनता पार्टी के आला नेता वंदे मातरम् गीत को अनिवार्य कर रहे हैं? क्या वे खुद जानते नहीं हैं उस पहली पंक्ति का मतलब। ‘सुजलाम, सुफलाम, मलयजशीतलाम’? क्या अपने भारत में वास्तव में पानी साफ है? क्या आज भी उसकी धरती पर वे फलों के बाग हैं, जिसका जिक्र बंकिमचंद्र ने किया था? क्या आज भी इस देश की हवाएं इतनी साफ हैं? कड़वा सच यह है कि हमारे राजनेताओं ने इतना बुरा हाल करके रखा है इन सारी चीजों को कि जब वंदे मातरम् की पंक्तियां सुनने को मिलती हैं, तो मेरे जैसे लोगों के मन में कुछ और सवाल उठने लगते हैं। वंदे मातरम् का गीत तो अनिवार्य कर चुके हैं हमारे राजनेता, लेकिन क्यों नहीं साथ में यह भी करते हैं कि हमारी नदियां, हवा, गांव, शहर और महानगर को भी साफ रखने का काम अनिवार्य किया जाए। ऐसा हो सकता है, लेकिन होगा नहीं, क्योंकि गालिब की उस पंक्ति का एक शब्द बदल कर कह सकते हैं हम कि ‘शर्म उनको मगर आती नहीं’।

एक और चेतावनी- हिमालय में बढ़ते आपदा जोखिम का इशारा है नेपाल की बाढ़ त्रासदी

(दीपेश त्रिपाठी)

नेपाल के पहाड़ी जिले रसुवा में भोटे कोशी नदी में अचानक आई ज्वरदस्त बाढ़ से मची तबाही के दुःख दिल दहलाते वाले हैं। यह त्रासदी नेपाल के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए एक चेतावनी है कि प्रकृति की शक्ति के सामने मनुष्य की तैयारियां अब भी अपर्याप्त हैं।

नेपाल के पहाड़ी जिले रसुवा में तिब्बत सीमा के निकट भोटे कोशी नदी में आई भीषण बाढ़ ने हिमालयी क्षेत्र की नाजुक पारिस्थितिकी और आपदा-प्रबंधन की सीमाओं को एक बार फिर सामने ला दिया है। अचानक आई इस बाढ़ से भारी मानवीय क्षति के साथ मकानों, सड़कों, पुलों और जलविद्युत परियोजनाओं को हुए नुकसान ने जहां नेपाल के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है, वहीं बिहार और उत्तर प्रदेश के सीमांत जिलों में भी हाई अलर्ट जारी किया गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि बाढ़ की भयावहता के मद्देनजर उसके कारण को लेकर अभी स्पष्टता नहीं है। रसुवा जिले में उस समय ऐसी बारिश नहीं हुई थी, जो ऐसी प्रलयकारी बाढ़ को ला दे। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल के अनुसार, रसुवा में आपदा की स्थिति भूकंप के साथ आए हिमस्खलन के कारण हुई, हालांकि इसकी पुष्टि की जा रही है। कारण चाहे जो हो, इस आपदा ने हिमालय के बदलते चरित्र को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण तपमान में वृद्धि, ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना और चरम मौसमी घटनाओं में वृद्धि ने हिमालय के अत्यंत संवेदनशील

विकास की कीमत आखिर कौन चुकाएगा, जब किसान की जमीन ही चली जाए?

(निमिषा सिंह)

भारत में भूमि अधिग्रहण, किसान, आदिवासी अधिकार, मुआवजा, विस्थापन और विकास परियोजनाओं के बीच संतुलन की जरूरत है। सरकारें जब विकास परियोजनाओं का खाका खींचती हैं, तो उसके पीछे देश को शिखर पर ले जाने की छटपटाहट होती है। मगर इस विकास यात्रा का एक स्याह और मार्मिक पहलू भी है। इन तमाम परियोजनाओं की बुनियाद ‘भूमि’ पर ही टिकी है। कृषि-प्रधान भारत में किसी किसान या आदिवासी के लिए जमीन महज मिट्टी या ‘गाटा संख्या’ नहीं, बल्कि उसकी अस्तित्ता, पुरखों की धरोहर और पीढ़ियों की आजीविका का अटूट सहारा है।

ऐसे में लोकतंत्र के सामने यह प्रश्न है- विकास की रफ्तार और विस्थापन के दर्द में मानवीय संतुलन कैसे सधे? क्या राष्ट्र-निर्माण के यत्न में आहुति हमेशा सबसे कमजोर वर्ग ही देगा, या हम कोई ऐसा समावेशी रास्ता निकाल सकते हैं, जहां प्रगति की कीमत किसी की बेदखली न हो? किसानों को 1894 के औपनिवेशिक कानून से मुक्ति दिलाने के लिए 2013 में ‘भूमि अधिग्रहण अधिनियम’ लाया गया, जो एक जनवरी 2014 से लागू हुआ।

इसने ग्रामीण क्षेत्रों में बाजार मूल्य के आधार पर अधिक मुआवजे, ‘सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन’ और पुनर्वास के साथ निजी परियोजनाओं में 80 फीसद तथा पीपीपी परियोजनाओं में 70 फीसद प्रभावित परिवारों की सहमति को अनिवार्य किया। इसने संविधान के अनुच्छेद 300-ए के तहत संपत्ति के अधिकार को भी महत्वपूर्ण सुरक्षा दी, लेकिन जमीनी हकीकत कई मामलों में इसके उलट दिखाई देती है।

‘सार्वजनिक उद्देश्य’ और कानून में दिए गए आपातकालीन प्रावधानों के तहत कुछ परियोजनाओं में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया अलग हो सकती है। रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसी विशेष परिस्थितियों के साथ-साथ कानून में निर्धारित अपवादों के कारण सहमति और सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन के सामान्य प्रावधान हर मामले में समान रूप से लागू नहीं होते। भूमि के समवर्ती सूची में होने के कारण केंद्र और राज्यों, दोनों के स्तर पर कानून और नियमों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। विकास की इस तेज रफ्तार में 2013 के कानून की मानवीय भावना का प्रभावी क्रियान्वयन आज भी बड़ी



भारत में कोयला तथा खनिजों का व्यापक खनन हुआ है, जिसने जंगलों और स्थानीय समुदायों पर गहरा प्रभाव डाला है। पश्चिमी भारत में ‘स्वच्छ ऊर्जा’ के नाम पर ‘मेगा सोलर पार्कों’ को लेकर पशुपालकों के पारंपरिक चरागाहों के उपयोग पर भी विवाद सामने आए हैं। दक्षिण में आइट्टी गलियारे के लिए भूमि परिवर्तन और पूर्वोत्तर में जलविद्युत परियोजनाओं तथा सीमांत सड़कों के विस्तार ने स्थानीय समुदायों के अधिकारों और पर्यावरण को लेकर बहस छेड़ दी है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2022-23 में देश के 45.8 फीसद कामगार कृषि तथा संबद्ध क्षेत्रों में लगे थे। वहीं, कृषि जनगणना 2015-16 के अनुसार, देश की लगभग 86 फीसद परिचालन भूमि जोत छोटे और सीमांत किसानों के पास थी। इनकी उपजाऊ जमीन का अधिग्रहण केवल संपत्ति का सीढ़ा नहीं, बल्कि पीढ़ियों की आजीविका को प्रभावित करने वाला फैसला है।

वित्तीय साक्षरता के अभाव में नकद मुआवजा ‘मुझ्झी की रेत’ साबित हो सकता है और किसान कुछ वर्षों में फिर आर्थिक संकट में फंस सकता है। वहीं, भूमिहीन मजदूर और बटाईदार पुनर्वास की प्रक्रिया से अक्सर पर्याप्त रूप से नहीं जुड़ पाते। दूसरी ओर, कृषि भूमि पर कारपोरेट नियंत्रण का एक नया और प्रोक्ष स्वरूप भी दिखाई दे रहा है। कुछ राज्यों में ‘भूमि बैंक’ और दीर्घकालिक लीज जैसे माडल के जरिए औद्योगिक तथा निवेश परियोजनाओं के लिए बड़े भूखंड उपलब्ध कराए जा रहे हैं। साथ ही, ‘कान्ट्रेक्ट फार्मिंग’ या अनुबंध खेती के जरिए उत्पादन से लेकर बाजार तक कारपोरेट भागीदारी बढ़ी है। ऐसे माडलों में पारदर्शिता, स्थानीय समुदायों की भागीदारी और भूमि-उपयोग के सामाजिक प्रभाव को लेकर सवाल उठते रहे हैं। विकास की आड़ में बढ़ती यह प्रवृत्ति उस भविष्य की आशंका पैदा करती है, जहां स्वतंत्र अन्नदाता अपनी ही जमीन पर आर्थिक रूप से निर्भर मजदूर बनने को मजबूर हो सकता है।

अधिकारों की पहचान आबादी में लगभग 8.6 फीसद होने के बावजूद, ऐतिहासिक अध्ययनों में विकास परियोजनाओं से विस्थापित होने वालों में आदिवासियों की हिस्सेदारी कई क्षेत्रों और अवधि में असंगत रूप से अधिक पाई गई है। उनके लिए ‘जल-जंगल-जमीन’ महज आर्थिक संसाधन नहीं, बल्कि उनकी आत्मा और सांस्कृतिक पहचान है। वनाधिकार कानून ग्राम सभाओं को वनाधिकारों की पहचान और संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका देता है। इसके बावजूद कोयला खदानों, बड़े बांधों और अन्य परियोजनाओं के दौरान वनाधिकारों तथा ग्राम सभा की प्रक्रियाओं के पालन को लेकर विवाद सामने आते रहे हैं। इसका असर पर्यावरण पर भी पड़ता है। 2019-20 से 2023-24 के बीच 95,724.99 हेक्टेयर वन भूमि को विभिन्न गैर-वानिकी उपयोगों के लिए परिवर्तित कर देने को मंजूरी दी गई। कागजों पर किए गए ‘प्रतिपूरक वनीकरण’ की प्रक्रिया सदियों पुराने

जंगलों के जटिल पारिस्थितिकी तंत्र की तत्काल भरपाई नहीं कर सकती।

कंक्रीट के विस्तार से प्राकृतिक जल निकासी और स्थानीय पारिस्थितिकी पर भी दबाव बढ़ता है। ‘प्रतिपूरक वनीकरण’ के बावजूद प्राचीन जंगलों के जटिल पारिस्थितिकी तंत्र को रातों-रात पुनर्जीवित नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि आज महाराष्ट्र के ‘थर्ड मुंबई’ मेगा-सिटी से लेकर कर्नाटक के बिदादी तक, किसान भूमि अधिग्रहण और प्रस्तावित विकास माडल के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं।

इन सुलगते आंदोलनों के बीच सर्वोच्च न्यायालय ने भूमि अधिग्रहण में मुआवजे के प्रश्न पर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए स्पष्ट किया है कि मुआवजा महज एक यात्रिक या सूत्रबद्ध प्रक्रिया नहीं हो सकता, बल्कि उसे समानता, न्याय और परिस्थितियों के अनुरूप निर्धारित किया जाना चाहिए। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया है कि संविधान के अनुच्छेद 300-ए के तहत संपत्ति के अधिकार को संवैधानिक संरक्षण प्राप्त है और राज्य इसे मनमाने तरीके से नहीं छीन सकता। इस दूरगामी संकट का हल विकास का पहिया रोकना नहीं, बल्कि प्रक्रिया को न्यायसंगत और मानवीय बनाना है। जबर्न अधिग्रहण के बजाय पारदर्शी साझेदारी माडल (‘लैंड पुलिंग’) अपनाया जाए, जहां किसान मालिकाना हक न खोए और उसे नियमित आय मिले। माटी छूटने के बाद विस्थापित युवा अकुशल मजदूर न बनें, इसके लिए उन्हें युद्धस्तर पर कौशल विकास का तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाए। सबसे अहम, खाद्य सुरक्षा की कीमत पर उपजाऊ खेतों में कंक्रीट बोने के बजाय सरकार बुनियादी ढांचे के लिए बंजर और कम उपजाऊ भूमि को प्रार्थमिकता दे।

विकास और मानवाधिकार एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। सच्ची प्रगति वह है, जो एक्सप्रेसवे की तेज रफ्तार के साथ-साथ कतार में खड़े आखिरी इंसान का भी हाथ थामकर चले। देश को आर्थिक उड़ान के लिए कारखानों की जितनी जरूरत है, उतनी ही दरकार अन्नदाता के चेहरे पर सुकून की भी है। चमकते बुनियादी ढांचे और लहलहाते खेतों के बीच का मानवीय संतुलन ही एक नए, न्यायपूर्ण और सशक्त भारत की मजबूत नींव रहेगा। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

तर्ग पहली 6200

1	2	3	4	5
	6		7	
		8		
9		10	11	
		12	13	
14	15	16	17	
	18			
19			20	

संकेत: बाएं से दाएं

- भारत का सबसे अधिक राज्यों के साथ सीमा (8 राज्य) बनाने वाला राज्य (6)
- अनंद, सुख, लुत्तू, स्वाद, रस (2)
- कामदेव, मनीष, रीतिरिक्त (3)
- सियाल, मयथा, हालत (2)
- कालिंद पर्वत से निकलने के कारण इस नदी का एक नाम कालिंदी भी है (3)
- भारयूक्त होना, भारी वस्तु का दूसरी वस्तु पर बोझ के रूप में रखा जाना (3)
- छोट्टे कद का, टिगन, बीना (2)
- ग्रामी बालू में चलने वाली तप्त हवा (1)
- पुत्र, सुत, पुत्र (2)
- औलाद, पुत्र या पुत्री, संतति (3)
- तरकारी, हरी सब्जी, भाजी (2)
- जखम पर लगाया जाने वाला बाढ़ा और चिकना लेप (4)
- गिरवी रखने का भाव या क्रिया रहने का ढुंग (3)
- फकाकर उबालकर बनाना हुआ चावल (2)
- अवाम, पब्लिक, रिअवा, रैवत (2)
- पुराने फिल्मों की पाखंड गार्फिका जिन्होंने हिंदी पंके अलश्या बंगाली, माओटी, गुजराती, तमिल एवं पंजाबी भाषाओं में लगभग 6000 से अधिक गाने गाए हैं (7)
- कपि, बंदर (3)
- समूह, गुट, पंच्युटी, गिरोह (2)
- उल्टा से अधिक, यंकष्ट, अधिक मात्रा में , ज्यादा (3)
- ग्रामिण, नरसंस्कार, अभिवादन करने की क्रिया (3)
- हिममत, पराक्रम, बहादुरी (3)
- उल्टा से अधिक, यंकष्ट, अधिक मात्रा में , ज्यादा (3)

उत्तर से नीचे

1. हिंदू धर्म के खोलह संस्कारों में से एक जिसमें यज्ञोपवीत धारण किया जाता है (8)

2. हिंदोलत पर बल्लाना, पंजे मारना, झगते हुए चलना (4)

तर्ग पहली 6199 का हल

ब	र	ग	द	न	ग	टि	या
ल	त	म	द	न	ग	म	ग
दे	क	स	व	र	ना		
व	क्ष	स	जी	व	श्या		
म	मा	व	र	रो	म		
प्र	ह	स	न	ह	ल		
दा	वा		रा	ब			
वा	न	र	बे	ह	त	र	

आज का राशिफल

मेघ

आज पैसों पर नियंत्रण और दफ्तर में नई फल होगी। पैसों के मामले को खुद संभालने का मन करेगा। अपनी कमाई बढ़ाने या पुराना हिसाब पूरा करने की इच्छा रहेगी। अचानक से कुछ भी खरीदने से बचें। कन्या राशि के शुक्रदेव बजट देख रखने में मदद करेंगे।

मिथुन

आज समझदारी से बचत और काम में तेजी आएगी। कमाई बढ़ाने की इच्छा तेज रहेगी। मन में कमाई के नए रास्ते आ सकते हैं। जल्दबाजी में लिया फैसला खर्च बढ़ा सकता है। लेन-देन के कागज अच्छे से जांच लें। आज जोखिम लेने से बचना ही सही रहेगा।

सिंह

आज समझदारी से खर्च और दफ्तर में पहचान मिलेगी। अपने रहन-सहन, यात्रा या आराम पर खर्च करने का मन हो सकता है। अपने बड़े लक्ष्यों को ध्यान में रखें। दफ्तर में आज आपकी पूछ बढ़ेगी। अपनी बात रखने और काम संभालने का अच्छा मौका मिलेगा। आपकी खुबी लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचेगी।

वृष

आज बचत का सही तरीका और काम में निरंतरता बनाए रखना होगा। पैसों के मामलों में सोच-समझकर चलने की जरूरत है। घर-परिवार की जरूरतों पर थोड़ा धन खर्च हो सकता है। बिना साफ शर्तों के किसी को पैसे न दें, नहीं तो आगे चलकर परेशानी हो सकती है। आज आप शांति से काम करना पसंद करेंगे।

कर्क

आज धन की मजबूती और काम में निखार आएगा। आप पैसों को लेकर सतर्क रहेंगे। बेकार के खर्चों को पहचानकर उन्हें रोकना आसान होगा। पुराने बिल और निवेश की जांच के लिए दिन बढिया है। एक ही दिन में सब ठीक करने की हड़बड़ी न करें। काम को सही तरीके से पूरा करने पर ध्यान रहेगा।

कन्या

आज बजट पर ध्यान और काम में निखार आएगा। आप पैसों को लेकर सतर्क रहेंगे। बेकार के खर्चों को पहचानकर उन्हें रोकना आसान होगा। पुराने बिल और निवेश की जांच के लिए दिन बढिया है। एक ही दिन में सब ठीक करने की हड़बड़ी न करें। काम को सही तरीके से पूरा करने पर ध्यान रहेगा।

तुला

आज संतुलित खर्च और दफ्तर में तालमेल बनाकर रखें। अपनी जरूरतों और पैसों की जिम्मेदारी में संतुलन बनाना होगा। परिवार या काम से जुड़ा खर्च सामने आ सकता है। दूसरों के दबाव में आकर पैसे खर्च न करें। दफ्तर का माहौल थोड़ा व्यस्त रह सकता है। अपनी बात साफ रखें, खासकर जरूरी चर्चाओं में।

धनु

आज पैसों को लेकर मन में नई उम्मीद रहेगी। भविष्य की सुरक्षा पर चिंतित होंगे। बिना वजह के जोखिम से बचें। बड़ा फैसला लेने से पहले हर बात को अच्छे से समझ लें। आपका भरोसा आज बढ़ा हुआ रहेगा। सिंह राशि के सूर्यदेव और बुधदेव पढ़ाई, बातचीत और काम के फैलाव में मदद करेंगे।

कुंभ

आज कुछ सोच-समझकर निवेश और नई सोच के साथ आगे बढ़ें। जल्दी धन कमाने का मन कर सकता है। जल्दबाजी में फैसला न लें। तुरंत फायदे के लालच से दूर रहें। अपने फैसलों को साफ रखें। संभलकर चलने से नुकसान नहीं होगा। मन में नए-नए विचार आएंगे।

कुंभ

आज कुछ सोच-समझकर निवेश और नई सोच के साथ आगे बढ़ें। जल्दी धन कमाने का मन कर सकता है। जल्दबाजी में फैसला न लें। तुरंत फायदे के लालच से दूर रहें। अपने फैसलों को साफ रखें। संभलकर चलने से नुकसान नहीं होगा। मन में नए-नए विचार आएंगे।

वृश्चिक

आज भविष्य की योजना और धीरज से काम लेना होगा। बचत और पुराने वादों की जांच करें। सिर्फ बाहर से चमकती चीजों के पीछे न भागें। ग्रह नियम से चलने की सलाह देते हैं। टिकाऊ कमाई पर ही ध्यान दें। आपकी लगन कठिन काम को भी आसान बना देगी।

मकर

आज रुके काम निपटाना और काम में अनुशासन रखना होगा। पैसों की जिम्मेदारी पर ध्यान देना होगा। टैक्स, कर्ज या पुरानी बचत के बारे में सोच सकते हैं। जरूरी कागजी काम न टालें। ग्रह सही योजना बनाने में मदद करेंगे। बजट देखने से मन शांत रहेगा। काम में नियम और धीरज रखना होगा।

मीन

आज शांत मन से फैसले और पेड़िंग काम का निपटारा होगा। पुराने लिए गए फैसलों पर दोबारा सोचना पड़ सकता है। प्रगति धीमी लगे तो घबराएं नहीं। करियर की दिशा पर दोबारा सोचने का मन करेगा। पुरानी छूटी जिम्मेदारियां सामने आ सकती हैं। यह अपनी बुनियाद मजबूत करने का अच्छा मौका है। किसी के दबाव में जल्दबाजी न करें।

संक्षिप्त

समाचार

महिला सशक्तिकरण की
असली नींव घर और शिक्षा:
राज्यपाल आनंदीबेन पटेल

तखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सोमवार को कहा कि महिला सशक्तिकरण की वास्तविक शुरुआत घर और शिक्षा से होती है। उन्होंने कहा कि आज बेटियाँ शिक्षा, स्टाटअप, व्यवसाय और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टतरीन सफलता हासिल कर रही हैं लेकिन उन्हें आगे बढ़ने के लिए सही सोच, असर व परिवार का सहयोग मिलना जरूरी है। इंदिरा गांधी प्रिष्ठान के मर्करी हॉल में सोमवार को लेखिका डॉ. शोभा विजेंद्र की पुस्तक “शतायु सच और महिला सहभागिता” पर आयोजित सवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल आनंदीबेन पटेल ने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में महिलाएं शिक्षा, प्रशासन, उद्यमिता और नेतृत्व के हर क्षेत्र में और अधिक प्रभावी भूमिका निभाएंगी। कार्यक्रम में महिला कवयित्री एवं बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्य ने कहा कि नारी केवल परिवार की ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की भी शक्ति है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और उन्हें असर के साथ-साथ नेतृत्व तथा निर्णय लेने का अधिकार भी मिलना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष सतीश मलान ने कहा कि संघ के कार्यों में मातृशक्ति का योगदान हमेशा महत्वपूर्ण रहा है।

बेंगलुरु दक्षिण में जाली नोट छापने का भंडाफोड़, पुलिस ने सात आरोपियों को किया गिरफ्तार

बंगलुरु, एंजेसी। रामनगर टाउन के एंजेर पुलिस थाना क्षेत्र में एक नए मकान में तल रहे फर्जी नोट के अवैध कारोबार का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने मौके से लगभग पांच लाख रुपये के छपाई वाले कागज और रसमून ब्रामह के बिल पकड़े गए सभी सातों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने बंगलुरु दक्षिण जिले में नकली नोट छापने वाले गिरोह का भंडागोली करते हुए सात लोगों को गिरफ्तार किया और नकली नोट बनाने में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री भी जब्त की है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपियों की पहचान संतोष (35), सतीश (36), सपत (33), राजेश (34), रेणुकराज (31), शिवराज (42) और गोविंदराज (50) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि ये गिरफ्तारीयां 31 अगस्त को की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि रामनगर टाउन में एंजेर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक नवनिर्मित मकान में नकली नोट छापे जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर छापा मारा और सातों आरोपियों को हिरासत में ले लिया।

दिल्ली के ईस्ट विनोद नगर स्कूल में छात्रा की मौत, शिक्षा मंत्री बोले- सख्त कार्रवाई की जाएगी

ईस्ट दिल्ली, एजेंसी। कल्याणपुरी थाना क्षेत्र के ईस्ट विनोद नगर स्थित सर्वोदय विद्यालय में 7वीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा की इलाज के दौरान मौत हो गई। छात्रा के परिवार ने स्कूल की एक शिक्षिका पर कथित रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। परिवार के मुताबिक, 22 जुलाई को स्कूल से बच्ची की तबीयत खराब होने की सूचना मिलने के बाद उसके दादा उसे अस्पताल लेकर पहुंचे थे। करीब एक महीने से अधिक समय तक इलाज चरने के बाद 27 अगस्त को बच्ची ने दम तोड़ दिया। परिवार के अनुसार, 22 जुलाई की सुबह करीब साढ़े नौ बजे स्कूल से फोन कर बताया गया कि बच्ची की तबीयत खराब है और उसे स्कूल से ले जाने के लिए बुलाया गया है। परिजनों का दावा है कि अस्पताल में इलाज के दौरान बच्ची ने अपने दादा को बताया था कि स्कूल की एक शिक्षिका ने उसे कथित तौर पर प्रताड़ित किया था। सोमवार को बच्ची के परिजन स्कूल पहुंचे और विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोपी शिक्षिका के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई करने की मांग की। परिवार का आरोप है कि बच्ची की मौत स्कूल में कथित प्रताड़ना के बाद बिगड़ी तबीयत के कारण हुई है। वहीं, स्थानीय विधायक रविंद्र सिंह नेगी ने कहा कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच में यदि स्कूल के किसी भी स्टाफ की गलती या लापरवाही सामने आती है तो संबंधित के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, छात्रा की मौत और शिक्षिका पर लगाए गए प्रताड़ना के आरोपों के बीच सीधा संबंध होने की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। बच्ची की मौत की वास्तविक वजह और स्कूल में उसके साथ क्या हुआ, यह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

मायावती ने 2027 के लिए फूँका बिगुल, बोलीं- 'रेवड़ियों' के सहारे चुनावी छलावे से रहें सावधान



सर्कार बनाने के लक्ष्य सामने रखते हैं।
मायावती ने लखनऊ में पार्टी के प्रदेश, मंडल और सभी 75 जिलों के अध्यक्षों समेत वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ बैठक कर चुनावी तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में खास तौर पर पार्टी के उम्मीदवारों के चयन की प्रणति, संगठन की स्थिति और पिछले दो बैठकों के बाद बूथ स्तर तक किए गए कार्यों की समीक्षा की गई। उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से चुनावी तैयारियों और कार्य तेज एवं प्रभावी बनाने का आह्वान किया। मायावती ने कहा कि विरोधी दलों के सामा दाम, डंड और भेद जैसे हथकंडों का मुकाबला करते हुए उत्तर प्रदेश में बीएसपी की पांचवीं बार सरकार बनाने के लिए पूरी ताकत से काम करना होगा। मायावती ने चुनावों से पहले महिलाओं समेत

मदतदात्री का निजा लोभ पहुँचाने वाली 'रेडिविड्यो' तथा विभिन्न प्रकार के लुभावने वादों और धोषणाओं के जरिए चुनाव को प्रभावित करने की कोशिशों पर चिंत जाता।

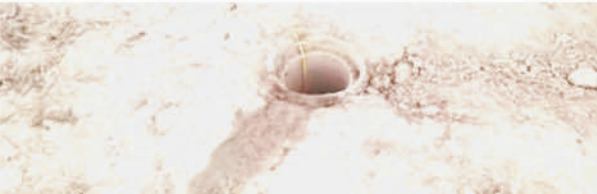
उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद सरकार बनने पर वायूद्विखिलाफी की स्थिति को देखते हुए उत्तर प्रदेश की जनता को ऐसे चुनावी छलाने से पहले ही सावधान करना जरूरी है। मायावती ने मतदाताओं से विरोधी पार्टियों के छलाने और विश्वासघात से बचने तथा अपनी मर्जी के मुताबिक स्वतंत्र और निष्पक्ष होकर मतदान करने की अपील की। बीएसपी प्रमुख ने कहा कि इससे केवल चुनावी मुद्दे के तौर पर नहीं, बल्कि देश और जनहित के लिहाज से भी गंभीरता से देखा जाना चाहिए। मायावती ने विभिन्न राज्यों में चुनाव के

बाद सरकारों की कथित वादाखिलाफी, विश्वासघात और जनहित एवं जनकल्याण के प्रति गैर-जिम्मेदारी को लेकर भी निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि बीएसपी एस जनिवरोधी रवैये के खिलाफ संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि 'जेन-डी' और 'जेन-अल्फा' के लोग भी जनिवरोधी रवैये और कार्यकलापों के कारण संघर्ष के लिए उत्तर रहे हैं और पुलिस मुकदमों जैसे सरकारी दमन का सामना कर रहे हैं। मायावती ने कहा कि सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे जनहित और जनकल्याण को प्राथमिकता दें तथा सैवैधान्तिक जिम्मेदारी के तहत हर वर्ष जनता के हित में काम करें। उनके मुताबिक, केवल चुनाव के समय किए जाने वाले वादे और घोषणाएं जनता की समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो सकती। बीएसपी मुख्यालय में महाराष्ट्र, गुजराती, बेरोजगारी और पिछड़ेपन को लेकर भी सरकारों को घेरा। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं के कारण उत्तर प्रदेश की जनता मजबूरी में लगातार दूसरे राज्यों में पलायन कर रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय सरकारों को ओर से किए जाने वाले वादे और घोषणाएं अक्सर 'झूठ के मुँह में जाँव' साबित होती हैं और चुनावी घोषणा से ज्यादा कुछ नहीं लगती। मायावती ने कहा कि सरकारों को चुनावी मौसम का इंतजार करने के बजाय पूरे कार्यक्रमों जनता की समस्याओं के समाधान के लिए काम

करना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में बीएसपी की सरकारों में किसी मुहूर्त या चुनाव की प्रतीक्षा किए बिना लगातार काम किया और सामाजिक परिवर्तन तथा आर्थिक मुक्ति से जुड़े कार्यों को अभूतपूर्व एवं ऐतिहासिक तौर पर करके दिखाया। मायावती ने कार्यकर्ताओं को 2027 के लिए स्पष्ट राजनीतिक लक्ष्य देने हेतु कहा कि बीएसपी को उत्तर प्रदेश में पांचवीं बार सरकार बनाने के लिए पूरी ताकत से काम करना होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी ऐसी सरकार बनाने के लिए काम करेगी जिसमें 'कानून द्वारा कानून का बेहतर राज' हो और शोषण, अत्याचार तथा भ्रष्टाचार से मुक्त व्यवस्था कायम की जाए।

बैठक में बीएसपी संस्थापक एन जन्मदाता मान्यवर काशीराम को 9 अक्टूबर को पुण्यतिथि के कार्यक्रम को तैयारियों पर भी चर्चा हुई। मायावती ने कार्यक्रम को पूरी मिशनरी भावना के साथ आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष लखनऊ में वीआईटी रोड पर बीएसपी का संस्था द्वारा पर्यटन स्थल के रूप में विकसित भव्य 'बौद्ध स्मृति उपवन' के सामने विशाल गुंबद के आकार के 'मान्यवर जी काशीराम जी स्मारक स्थल' में कार्यक्रम आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम उत्तर प्रदेश समेत पूरे प्रदेश से लोग यहां एकत्र होंगे और काशीराम के मिशन को आगे बढ़ाने का संकल्प लेते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।



अलवर, एजेंसी। राजस्थान के अलवर जिले के लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र के बुजेली गांव में सोमवार को एक बड़ा हादसा टल गया। पतंग लूटने के दौरान 9 वर्षीय भानु 400 फीट ऊंचे बोरोवेल में गिर गया, लेकिन करीब पांच घंटे तक चले कठिन रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। बच्चे के बाहर आते ही पूरे गांव में खुशी की लहर दौड़ गई और मौके पर मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली। जानकारी के अनुसार, बुजेली गांव निवासी भानु पुत्र शोशराम पतंग लूटने के लिए खेत की तरफ दौड़ रहा था। इसी दौरान उसका पैर एक पुराने बोरोवेल के ऊपर रखे पत्थर पर पड़ गया। पत्थर खिसकते ही भानु सीधे बोरोवेल में जा गिरा। बताया जा रहा है कि बोरोवेल लूटने की दौरान 400 फीट गहरा था और बच्चा लगभग 40 से 50 फीट की गहराई पर जाकर फंस गया। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना प्रशासन और पुलिस को दी। शाम करीब 6:30 बजे सूचना मिलते ही प्रशासन राहत में आया और शोध के लिए एक हलक में बचवा कार्य शुरू कर दिया गया।

अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे।
रेस्प्यू ओपरेशन में एसडीआरएफ
और एनडीआरएफ की टीमों को
कनिषा श्रेयम, तहसीलदार मन
काथना शर्मा, डीएसपी नरेंद्र कुमार
काथना थाना प्रभारी राजेश कुमार समेत
ई अधिकारी मौजूद रहे। बच्चे को
सुरक्षित बाहर निकालने के लिए
आगवेल के आसपास जैसीबी
परीशनों की मदद से खुदाई शुरू की
गई। रेस्प्यू टीम लगातार बच्चे तक
पहुँचाने की कोशिश कर रही थी और उसे
निकाले भी उपलब्ध कराया गया। पर
अभिधान के दौरान बच्चे की स्थिति
पर लगातार निगरानी रखी गई।
करीब घंटे भर घंटी के समक
समक के बाद रात लगभग 11
घंटे रेस्प्यू टीम को बड़ी सुरक्षित
मनेली और भानु को सुरक्षित बाहर
निकाल लिया गया। बच्चे के बाहर
आते ही वहां मौजूद लोगों ने तालिया
जकाकर रेस्प्यू टीम का स्वागत
कराया। परिजनों की आंखों में राहत
और खुशी के आंसू थे।

एएसपी प्रियंका रघुवंशी ने बताया कि बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है और बाहर निकलने के बाद वातचीत भी कर रहा था। फिर भी महतियात के तौर पर उसे वैकैत्सकीय जांच के लिए राजदीकी अस्पताल भेजा गया है।

उत्तराखण्ड में दर्दनाक हादसा, भारी बारिश से
मकान में घुसा मलबा, तीन लोगों की मौत

अल्मोड़ा, एजेंसी। पहाड़ों में लगातार रही बारिश के बीच अल्मोड़ा जिले एक दर्दनाक हादसे सामने आया। मलबा घुसने से एक मकान क्षतिग्रस्त गया, जिसके मलबे में दबकर एक परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर पहुंची एएसडीआरएफ, पुलिस, फायर और प्रशासन की टीमों ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर तीनों शवों को बाहर निकाल

पीछे की तरफ से आया भारी मलबा दीवार को टोड़ते हुए मकान के अंदर घुस गया और तीनों लोग मलबे में दब गए। हादसे में तीनों की मौत हो गई। प्रशासन की टीमों ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया और मलबे में दबे तीनों लोगों को बाहर निकाला। जिला आयादा प्रबंधन अधिकारी ने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा कर लिया गया है। हादसे के बाद मौके पर एसडीआरएफ, फायर सर्विस, पुलिस और प्रशासन की टीमें मौजूद रहीं।

सोओ रानीखेत, एसडीएम,
तहसीलदार समेत अन्य अधिकारी भी
मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य
की निगरानी की। दो पंबुलेंस भी मौके पर
भेजी गई थीं। उन्होंने बताया कि रास्ते में
मलबा आने के बावजूद प्रशासन की ओर
से राहत-बचाव टीमों को समय पर मौके
तक पहुंचाया गया। फिलहाल मौके पर
तीन जेसीबी मशीनों की मदद से मलबा
हटाने का काम जारी है। सड़क को भी
खोल दिया गया है और बचाव हुआ
परी तरह साफ किया जा रहा है।

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 अक्टूबर को मुख्यमंत्री और प्रधामंत्री के तौर पर सेवा के 25 साल पूरे करेंगे। इस मौके पर लोगों को 17 सितंबर को अपने घरों में 'सेवा का दीया' जलाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जो जनेश्वरी के प्रति उनके संकल्प का प्रतीक होगा। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इन वर्षों में पीएम मोदी ने अपने सार्वजनिक जीवन में सेवा को सबसे ऊपर रखा है और समाज के हर वर्ग के लिए काम किया है। बिंदल ने कहा कि यह देशव्यापी अभियान पीएम मोदी के जन्मदिन, 17 सितंबर से शुरू होगा और 17 अक्टूबर तक चलेगा। इसका मकसद नागरिकों को सेवा के लिए खुद को समर्पित करने और साथ ही 2047 तक 'विकसित भारत' के विजन में



कि बच्चों के लिए 'मेरा भारत-यह क्या था, कैसा है' और 2047 में हम इसकी कैसी कल्पना करते हैं' जैसे विषयों पर पेंटिंग और भाषण प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँगी।

फिखले 25 वर्षों में हुए बदलाव और विकासित भारत के विजय पर केंद्रित कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएँगे। सेवा में मेरा योगदान' शीम के तहत, भाजपा कार्यकर्ता और नगरिक सफाई अभियान, रक्तदान शिविर, चिकित्सा सेवा गतिविधियाँ, अनाथालयों और वृद्धाश्रमों में सेवा, जल संरक्षण, वृक्षारोपण अभियान और कई अन्य सामाजिक पहलों में भाग लेते। महिलाएं भी पीएम मोदी के जीवन, सेवा के प्रति उनका प्रतिक्रिया और विकसित भारत 2047 के विजय पर आधारित 'रंगोली' कार्यक्रम आयोजित करेंगी। राज्य की कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए बिस्मिल ने कहा कि भाजपा ने जलदा

में घोषणा की थी कि वह अगस्त में स्थानीय मुद्दों पर जन आंदोलन शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी ने अगस्त में राज्यभर में 12 जगहों पर आंदोलन आयोजित किए, जिनमें खराब सड़कें, रूके हुए सार्वजनिक कार्य, कांग्रेस के अकेले वादे और अन्य स्थानीय समस्याएँ जैसे मुद्दे उठाए गए। इसके अलावा, वे विरोधवागी युवाओं की समस्याओं को उजागर करने और विधानसभा चुनावों से पहले किए गए रोजगार के वादों पर सरकार से सवाल पूछने के लिए 17 जिलास्तरीय प्रदर्शन किए गए। बिंदल ने घोषणा की कि भाजपा स्थानीय मुद्दों पर 170 जगहों पर जन-आंदोलन आयोजित करके सितंबर में अपने अभियान को और तेज करेगी। पार्टी महिलाओं से जुड़े मुद्दों और कांग्रेस द्वारा उनसे किए गए वादों पर जोर देते हुए जिला स्तर पर 17 विरोध प्रदर्शन भी करेगी।

हिमंत बिस्वा सरमा और निशिकांत दुबे के खिलाफ हेट स्पीच के मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग पर एक्शन टेकन रिपोर्ट तलब



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कनाट ने मुस्लिमों और पूरे मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी के खिलाफ भड़काऊ भाषण देने के मामले में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग पर सुनवाई करते हुए दिल्ली पुलिस से एक्शन टेकन रिपोर्ट तलब किया है। एडिशनल चीफ जूडिशियल मैजिस्ट्रेट पारस दलाल ने 18 सितंबर को अगली सुनवाई करने की तारीख दी। सोमवार को हिमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ दर्ज मामले में भजनपुरा थाने की ओर से दाखिल रिपोर्ट के कक्षा गिराफ का नई है और ये वेलकम थाने के तहत आता है। इस मामले को

23 अगस्त को वेलकम थाना भेज दिया गया था। उसके बाद कोर्ट ने वेलकम थाने के एसएचओ को एक्शन टेकन रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया। निष्कांत दुवे के निवास पर दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान हौज खास थाने ने रिपोर्ट दाखिल कर कहा है कि ये मामला मालवीय नगर थाने के क्षेत्राधिकार में आता है। उसके बाद कोर्ट ने मालवीय नगर थाने के एसएचओ को रिपोर्ट

दाखिल करने का आदेश दिया। याचिकाकर्ता हर्ष मांदर ने अपनी याचिका में कहा है कि हिमंत बिस्वा सरमा ने दिल्ली सरकार की ओर से मालवियों को पैसे देने के आदेश को लेकर दिए कथित भेड़काऊ भाषण का जिक्र किया गया है। याचिका में निशिकांत दुबे का पूर्व चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी का वक्फ कानून को लेकर दिए गए बयान का जिक्र किया गया है। हर्ष मांदर की

याचिका में कहा गया है कि निशिकांत दुबे का ये बयान सांप्रदायिकता फैलाने वाला है। याचिका में हिमंत बिसवा सरमा के बारे में कहा गया है कि उनका भाषण भड़काऊ भाषण की श्रेणी में आता है। गौरतलब है कि, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिसवा सरमा का चिवावों से पुराना नाता रहा है। इससे पहले भी वह अपने बयानों की वजह से चर्चा में आ चुके हैं। वह भारत के 17वें मुख्य चुनाव आयुक्त रहें हैं। उन्होंने 10 जून, 2012 तक इस पद पर कार्य किया। वे इस पद पर आसीन होने वाले पहले मुस्लिम थे। साथ ही वह युवा मामले और खेल मंत्रालय में सचिव, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के महानिदेशक की भूमिका भी निभा चुके हैं।

पैं की मौत छिपाने के लिए इंसेफेलाइटिस को अज्ञात बीमारी बताया: योगी



पाद है, जब मासूम बच्चे थे। उन मासूमों के लिए इसे देती थीं और 'मुख्यमंत्री' मारा-बहराइच में शामिल कर आये थे। प्रदेश में जब आई तो हमने भी किसी को हमने घोषणा मारी अनजान



तो हमारे संकल्पों को साकार हो
में देर नहीं लगती है।” योगी
कहा कि बहराइच कभी एक ऐसा
कदं हुंआ करता था जहाँ से भार
का शासन चलता था, लेकिन य
स्वतंत्रता के बाद भी विकास
वर्चित रहा। उन्होंने कहा कि ए
हजार साल पहले महाराज
सुहेलदेव ने बहराइच में ही साला
मसूद को हराया था और भारत क
विदेशी आक्रांताओं से मुक्त कि
था, लेकिन स्वतंत्रता के बा
महाराज सुहेलदेव को दशकों त
भुलाकर रखा गया। सालार मसू
के नाम पर उर्स और मेस
आयोजित किए जाते थे। मुख्यमं
ने कहा, ‘लेकिन आज यहाँ किस
विदेशी आक्रांता के नाम पर को
आयोजन नहीं होता है। इस
बजाय, महाराजा सुहेलदेव का
विशाल स्मारक पूरा किया गया है।
योगी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव
दुमरियागंज से लोकसभा सदस्य
जागदिका पाल, बहराइच

लोकसभा सदस्य डाक्टर आनंद कुमार गोंड और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में नेपालगंज रोड-मानपा-बहराच रेल खंड के गेज परिवर्तन और विद्युतीकरण का उद्घाटन किया। इस 56.15 किलोमीटर खंड को करीब 730 करोड़ रुपये की लागत से ब्रॉड गेज में परिवर्तित किया गया है और इसका विद्युतीकरण किया गया है। इसके अलावा, चार मौजूदा ट्रेन सेवाओं का नेपालगंज रोड तक विस्तार भी किया गया। यह कार्यक्रम नेपाल में हाल में आई बाढ़ के पीड़ितों को श्रद्धांजलि के साथ प्रारंभ हुआ और सभी ने दो मिनट का मौन रखा। मुख्यमंत्री ने कहा, 'आजारी के बाद कई जगहों पर रेल लाइनों को मीटर गेज से ब्रॉड गेज में परिवर्तित किया गया। शताब्दी सहित कई नई ट्रेन चलाई गईं। फिर भी यह खंड मीटर गेज बना रहा जो उन सरकारों की रंकींग मानकीकृत

का संकेत है जो इसे महज एक सीमावर्ती क्षेत्र समझती थीं और इसे पिछड़ेपन का पर्याय बना दिया।' योगी ने कहा, 'उन सरकारों के लिए यह अंतिम क्षेत्र हो सकता है, लेकिन हमारे लिए यह रूपाईं-डॉलर-बहराडच-नानपारा क्षेत्र भारत का गेवरे रहा है। इस क्षेत्र के लोग दशकों से इस दिन का इंतजार कर रहे थे। पीढ़ियां गुजर गईं, लेकिन इस सपने को आज साकार किया गया।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'यह लाइन भारत और नेपाल के बीच सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करेगी। यह संपर्क न केवल सीमावर्ती क्षेत्र की सुरक्षा और सुविधा के लिए, बल्कि इस संपूर्ण क्षेत्र की समृद्धि के लिए भी महत्वपूर्ण है।' उन्होंने कहा कि यह कर्नाटकाघाट तक पहुंच सुगम बनाएगा और साथ ही अयोध्या, वाराणसी और गोरखपुर जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्रों को भी जोड़ने में मदद करेगा।

पाकिस्तान क्रिकेट: मिसबाह-उल-हक का इस्तीफा, सात खिलाड़ियों को किया बाहर

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम इन दिनों इंग्लैंड में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है। पहले दो मैच हारकर ही वो सीरीज हार चुके हैं। लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में उन्हें 194 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच में उन्हें पारी और 103 रनों हार मिली थी। ये पिछले छह टेस्ट मैचों में से पाकिस्तान की पांचवीं हार है।

टीम के लगातार खराब प्रदर्शन की वजह से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) खिलाड़ी और कोच से खुश नहीं है। इसलिए बोर्ड ने सीरीज के बीच में ही आखिरी टेस्ट से पहले टीम में बड़े बदलाव कर दिए हैं। बोर्ड ने कोच समेत सात खिलाड़ियों को टीम से एजबेस्टन में 9 सितंबर से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट मैच से पहले ही हटा दिया है।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मिसबाह-उल-हक ने पाकिस्तान पुरुष राष्ट्रीय सिलेक्शन कमिटी से इस्तीफा देने की पेशकश की है। यह कदम पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा इंग्लैंड दौरे के दौरान टेस्ट टीम और कोचिंग स्टाफ में बड़े बदलाव करने के फैसले के बाद उठाया गया है। क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार पीसीबी ने अभी तक मिसबाह का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने लाहौर में नेशनल क्रिकेट



एकेडमी में बैटिंग कंसल्टेंट की भूमिका से भी हटने का फैसला किया है।

टीम से बाहर होने वाले खिलाड़ी

टेस्ट स्क्वाड से बाहर होने वाले खिलाड़ियों में सलमान अली आगा, विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान, ओपनिंग बल्लेबाज इमाम-उल-हक, अली उस्मान, आमिर जमाल, मुहम्मद अवैस जफर और खुर्रम शहजाद के नाम शामिल हैं। कोच की भी छुट्टी

यह बदलाव सिर्फ खिलाड़ियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि रेड-बॉल हेड कोच सरफराज अहमद और बॉलिंग कोच उमर गुल को भी उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया है। उनकी जगह अब च्याइट-बॉल के हेड कोच माइक हेसन और एशले नोफके को रखा गया है।

7 नए खिलाड़ियों की टीम में एंट्री

बाहर किए गए 7 खिलाड़ियों की जगह 7 नए खिलाड़ियों को टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। जिसमें टेस्ट स्तर पर पांच अनकैड और दो कैड खिलाड़ी शामिल हैं। जिसमें बल्लेबाज साइम अयूब और अब्दुल्ला फजल के साथ-साथ

बाएं हाथ के स्पिन-बॉलिंग ऑलराउंडर अराफात मिन्हास शामिल हैं। अनकैड खिलाड़ी मोहम्मद इमरान जूनियर, साद बेग, मोहम्मद इमरान और रजाउल्लाह भी टीम से जुड़ेंगे।

साइम अयूब 8 टेस्ट और अब्दुल्ला फजल दो टेस्ट मैच खेल चुके हैं। जबकि अराफात मिन्हास ने तीन वनडे और चार टी-20 मैच खेले हैं। इसके अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद इमरान जूनियर, विकेटकीपर-बल्लेबाज और कायद-ए-आजम टॉफी 2025-26 के 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' साद बेग, और दाएं हाथ के पेस बॉलिंग ऑलराउंडर मोहम्मद इमरान (जिन्हें इमरान रंथावा के नाम से भी जाना जाता है) और रजाउल्लाह हैं।

पाकिस्तान की अपडेटेड टेस्ट स्क्वाड

बाबर आजम (कप्तान), अब्दुल्ला फजल, अराफात मिन्हास, अजान अवैस, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद अली, मुहम्मद इमरान, मोहम्मद इमरान जूनियर, मुहम्मद गाजी गोरी (विकेटकीपर), रजाउल्लाह, साद बेग (विकेटकीपर), साइम अयूब, साजिद खान, सऊद शकील, शान मसूद और उबैद शाह।

अल्काराज की 139 दिन बाद जीत से वापसी

यूएस ओपन के दूसरे राउंड में पहुंचे, सबालेंका भी जीतीं

यूएस (एजेंसी)। यूएस ओपन 2026 में डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने 139 दिन बाद सिंगल्स कोर्ट पर जीत के साथ वापसी की। अल्काराज कलाई की चोट के कारण चार महीने से ज्यादा समय तक टेनिस से दूर थे। स्पेन के खिलाड़ी ने न्यूयॉर्क के आर्थर एश स्टेडियम में रूस के रोमन सफीउलिन को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। वहीं, विमेंस सिंगल्स में दो बार की डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका ने कैमिल्ला ओसोरियो को 6-2, 6-4 से हराया। अल्काराज ने चोट के कारण इस दौरान फ्रेंच ओपन और विंबलडन में हिस्सा नहीं लिया था। मैच के दौरान वह दाहिने हाथ पर कम्प्रेसन स्लीव पहनकर खेले।

स्वियातेक और नोस्कोवा भी जीतीं

छठी गेंड स्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक ने चीन की वांग शियू को 6-2, 6-3 से हराकर शुरुआत की। विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा ने अमेरिका की केटी वोलीनेट्स को 7-5, 6-1 से हराया। वहीं, पिछले साल यूएस ओपन की रनर-अप अमांडा अनिसिमोवा ने अपने 25वें जन्मदिन पर एशालिन वररुगर को 6-1, 6-3 से शिकस्त दी।



सबालेंका ने ओसोरियो को हराया

महिला सिंगल्स में दुनिया की नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने कैमिल्ला ओसोरियो को 6-2, 6-4 से हराया। इसके साथ ही उनका लगातार तीसरा स्-ओपन खिताब जीतने का अभियान जारी रहा। वह ओपन एरा में लगातार तीन स्-ओपन खिताब जीतने वाली तीसरी महिला बन सकती हैं। उनसे पहले सेरेना विलियम्स और क्रिस एवर्ट ऐसा कर चुकी हैं। पहला सेट आसानी से जीतने के बाद सबालेंका को दूसरे सेट में संघर्ष करना पड़ा। हालांकि 4-4 के स्कोर के बाद वापसी कर मैच अपने नाम कर लिया। अगले दौर में उनका सामना रूस की कालिफायर पोलिना याल्त्सको से होगा।

● **अल्काराज बोले-** लय हासिल करने के लिए और मैच खेलने की जरूरत - अल्काराज की वापसी जीत शानदार रही, लेकिन सर्विस में उन्हें संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा कि चार महीने बाद वापसी में उन्हें मैच फिटनेस को लेकर थोड़ी चिंता थी। उन्हें यह भी संदेह था कि वह पांच सेट का मैच खेल पाएंगे या नहीं। जीत के बाद उन्होंने कहा कि उन्हें लय हासिल करने के लिए अभी और मैच खेलने की जरूरत है। कार्लोस अल्काराज 2004 से 2008 के बीच लगातार पांच बार खिताब जीतने वाले रोजर फेडरर के बाद यूएस ओपन पुरुष सिंगल्स का खिताब लगातार दूसरी बार जीतने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश में हैं।

दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में ईस्ट जोन- 94/3, सेंट्रल जोन ने 159 रन का टारगेट दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में ईस्ट जोन के उपकप्तान वैभव सूर्यवंशी दूसरी पारी में 40 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने सेंट्रल जोन के खिलाफ अपनी पारी में 3 चौके और 2 छक्के लगाए। सेंट्रल जोन की दूसरी पारी 158 रन पर सिमट गई। ईस्ट जोन को टेस्ट मैच जीतने के लिए 159 रन का टारगेट मिला है। इसके जवाब में टीम ने 27 ओवर में 3 विकेट पर 94 रन बना लिए हैं। कुमार कुशाग्र 16 और कप्तान ईशान किशन 1 रन बनाकर खेल रहे हैं।

सेंट्रल जोन ने 37 रन पर 3 विकेट गंवा दिए

सेंट्रल जोन की शुरुआत खराब रही और 37 रन तक टीम के तीन विकेट गिर गए। कप्तान रजत पाटीदार 5 और रिकू सिंह 20 रन ही बना सके। 95 रन तक 7 विकेट गंवाने के बाद अरशद खान ने लोअर ऑर्डर के साथ मिलकर टीम को 150 रन के पार पहुंचाया। हालांकि टीम 158 रन पर ही सिमट गई। अमन मोखाड़े ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। अरशद खान ने 25 और हर्ष दुबे ने 24 रन की पारी खेली।



मुकेश कुमार को 4, शमी को 3 विकेट - ईस्ट जोन की ओर से मुकेश कुमार सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 12 ओवर में 44 रन देकर 4 विकेट लिए। मोहम्मद शमी ने 3, जबकि अभिजीत सरकार, अनुकूल रॉय और कुनैन कुरैशी ने 1-1 विकेट लिया।

स्टोक्स की 11 साल बाद बिग बैश लीग में वापसी एडिलेड स्ट्राइकर्स से जुड़े, पूरा सीजन खेलेंगे



लंदन (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास के बाद बेन स्टोक्स बिग बैश लीग की टीम एडिलेड स्ट्राइकर्स से जुड़े हैं। वे फ्रेंचाइजी के साथ 5 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर में जुड़े। एग्रीमेंट के अनुसार, अगर स्ट्राइकर्स क्वालिफाई करते हैं, तो स्टोक्स टूर्नामेंट के

आखिरी दौर तक टीम के साथ रहेंगे। इस सीजन का फाइनल 26 जनवरी 2027 को होगा। स्टोक्स ने आखिरी बार 2015 की शुरुआत में बीबीएल मैच खेला था। 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल खेलने के बाद से उन्होंने कोई टी-20 क्रिकेट नहीं खेला है। बीबीएल ने इस पोस्ट के लिए स्टोक्स की वापसी का ऐलान किया।

स्टोक्स ने खुद स्ट्राइकर्स को चुना

स्टोक्स ने बीबीएल में लौटने की इच्छा जताई थी, जिसके बाद साउथ ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट एसोसिएशन (एसएससीए) के क्रिकेट जनरल मैनेजर साइमन इस्ली ने उनसे बातचीत की। स्टोक्स को सिडनी सिक्सर्स और मेलबर्न रेनेगेड्स जैसी टीमों भी अपने साथ जोड़ना चाहती थी। स्ट्राइकर्स अभी दो अन्य बड़े नामों के साथ बातचीत कर रहे हैं। टीम को उम्मीद है कि जल्द ही उनके साथ जुड़ने की पुष्टि कर दी जाएगी। उनका पहला मैच कैनबरा में सिडनी थंडर के खिलाफ होगा।

स्टार टेनिस खिलाड़ी की दरियादिली बाद पीड़ितों के लिए दान किए 1 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन की स्टार टेनिस खिलाड़ी झेंग छिनवेन ने एक बार फिर मुश्किल वक्त में अपने देश के लोगों का साथ देकर दिल जीत लिया है। याहू स्पोर्ट्स के मुताबिक, इस स्टार खिलाड़ी ने तिब्बत के ग्यिरोंग काउंटी में बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित लोगों की मदद के लिए एक मिलियन युआन यानी करीब 1.5 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 1.4 करोड़ रुपये) दान किए हैं। चीन चैरिटी फेडरेशन ने इस योगदान की पुष्टि की है। यह मदद ऐसे समय में आई है जब खुद झेंग चोट और सर्जरी के बाद अपने करियर को दोबारा पटरी पर लाने की कोशिश कर रही हैं।

बाढ़ और भूस्खलन ने मचाई भारी तबाही

चीन-नेपाल सीमा के पास स्थित ग्यिरोंग काउंटी में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई। इस आपदा में बड़ी संख्या में लोगों के लापता होने और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने की जानकारी सामने आई है। राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। इसी मुश्किल घड़ी में झेंग ने आपदा राहत और पुनर्वास प्रयासों के लिए बड़ी रकम दान की। उनका 10 लाख युआन का योगदान प्रभावित लोगों तक आपात सहायता पहुंचाने और बचाव-पुनर्निर्माण कार्यों में इस्तेमाल किया जाएगा। यह पहली बार नहीं है जब झेंग ने प्राकृतिक आपदा के पीड़ितों की मदद के लिए आगे बढ़कर योगदान दिया है।

2023 में भी की थी बड़ी मदद

झेंग ने इससे पहले 2023 में चीन के गांपू प्रांत के जिशिशान काउंटी में आए भूकंप के बाद राहत कार्यों के लिए 2 लाख युआन यानी करीब 28 हजार डॉलर का दान दिया था। इस बार उनका योगदान पहले की तुलना में पांच गुना है। चीन की सबसे चर्चित खेल हस्तियों में शामिल झेंग का यह कदम उनके सामाजिक सरोकार को भी दिखाता है। 23 साल की झेंग ने खेल की दुनिया में भी कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं।

चोट ने बदली करियर की रफ्तार

हालांकि, पिछले कुछ समय में झेंग के टेनिस करियर को चोट ने बुरी तरह प्रभावित किया। वह कोहनी की चोट के कारण सर्जरी से गुजरें और लंबे समय तक कोर्ट से दूर रहें। इसका असर उनकी रैंकिंग पर भी पड़ा। एक समय दुनिया की नंबर-4 खिलाड़ी रह चुकीं झेंग अब रैंकिंग में 121वें स्थान पर पहुंच गई हैं। चोट के कारण वह 2025 यूएस ओपन में भी हिस्सा नहीं ले सकी थीं। इस सीजन में वापसी के बाद उन्हें शुरुआती दौर में कई हार का सामना करना पड़ा। खुद झेंग ने माना कि लगातार हार से वह मानसिक रूप से भी परेशान हुईं। उन्होंने कहा, 'वापसी के बाद मैं कुछ ऐसे मैच हार गई, जिन्हें मुझे नहीं हारना चाहिए था। यह मेरे लिए बहुत दर्दनाक था।' झेंग ने बताया कि उन्हें लगता था कि उन्होंने अपने प्रशंसकों को निराश किया है।

यूएस ओपन में वापसी से नई उम्मीद

चोट से वापसी के बाद झेंग के लिए 2026 यूएस ओपन बेहद महत्वपूर्ण है। मुख्य झों में जगह बनाने के लिए उन्हें बवालीफाईंग के तीन मुकाबले खेलने पड़े और तीनों में जीत हासिल कर उन्होंने अपनी वापसी को यादगार बनाया। उन्होंने पहले मुकाबले में चीन की यू शियाओदी को 6-3, 6-2 से हराया। इसके बाद वलारा बुरेल को 6-1, 7-5 से मात दी। आखिरी बवालीफाईंग मुकाबले में एलेना प्रिदाकिना के खिलाफ पहला सेट जीतने के बाद उन्हें दूसरे सेट में हार मिली, लेकिन निर्णायक सेट में उन्होंने 6-0 की शानदार जीत के साथ 6-4, 3-6, 6-0 से मुकाबला अपने नाम कर लिया।



मदाकिनी, टमस और सेमरावल सहित नदी-नालों के जलस्तर पर लगातार निगरानी, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य तेज

में पूरी तरह सक्रिय हैं। सुबह 6 बजे आरोग्यधाम के पास मंदाकिनी नदी का जलस्तर 137.15 मीटर दर्ज किया गया, जबकि अधिकतम बाढ़ स्तर (१९९२) 139.60 मीटर है। जलस्तर का रुझान बढ़ता हुआ दर्ज किया गया। आरोग्यधाम घाट के आसपास पानी तेजी से बस्तियों की ओर बढ़ने की स्थिति को देखते हुए लोगों को घरों से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का कार्य किया गया। प्रशासन द्वारा लगातार अनाउंसमेंट कर लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की गई। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें भी बचाव कार्य में जुटी रहीं। चित्रकूट के केवटरा, लोसरिहा सहित प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस एवं पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह सहित जिला प्रशासन का अमला चित्रकूट में स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। अधिकारियों से राहत एवं बचाव कार्य में लगे कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए तथा प्रभावित लोगों के लिए आश्रय,

भाजन एवं पेयजल को व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

टमस नदी का वर्तमान जलस्तर 288.29 मीटर दर्ज किया गया है, जबकि खतरे का स्तर 289 मीटर है। जलाशय का पूर्ण स्तर 280.50 मीटर तथा वर्तमान जलस्तर 279.00 मीटर बताया गया है। पानी की आवक को देखते हुए 12 गेट 0.75 मीटर तक खोले गए हैं, जिनसे लगभग 1338 क्यूसेक (घन मीटर प्रति सेकंड) पानी की निकासी की जा रही है। प्रशासन द्वारा नदी के जलस्तर एवं पानी की निकासी की स्थिति पर लगातार

निगरानी रखी जा रही है।

लगातार वर्षा और पानी की बढ़ती आवक के कारण सेमरावल नदी का जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है। संभावित खतरे को देखते हुए रामपुर बघेलान और कोटर तहसील के तटीय क्षेत्रों के अनेक ग्रामों के निवासियों को तत्काल सतर्क रहने तथा आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए सूचित किया गया है। इनमें अकाउना, अबेर, इतौर, बर्दाहीह, कोरांगवा, जगिगवां, गौरैया, ढोडी, भांगिगवां, मैनुपुरा, गोलहट्टा, गढ़वा कला, टेङ्गावा, रजवावा,



मैं भी प्रशासन द्वारा सतर्कता बरती जा रही है।

बढ़ते जलस्तर को देखते हुए नगर परिषद जैतवारा एवं तहसील प्रशासन द्वारा संवेदनशील एवं जलमग्न मार्गों पर बैरिकेडिंग कार्य आवश्यक बन कर आया है। रेलवे अंडरब्रिज, जैतवारा-कुलकड़िया रोड पर कस्तूरिया नाला के पास पुलिया तथा भिठारी-पहुँच मार्ग पर झिरवाह नाला के पास बैरिकेडिंग एवं रस्सियां लगाकर आवश्यक कार्य कराया जा रहा है।

कोई क्रमांक 6 एवं 7 के सेराजों मोहल्ले तथा वाई क्रमांक 13 में बाढ़ का पानी पहुंचने के बाद

प्रभावित परिवारों को सुरक्षित निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। बाद में बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए रॉयल पैलेस एवं रॉयल कॉम्प्लेक्स में रहने और भोजन की व्यवस्था की गई। बाढ़ क्रमांक 1 से 5 तक के प्रभावित लोगों के लिए बालाजी पैलेस में रहने एवं भोजन की व्यवस्था की गई।

बाढ़ की स्थिति को देखते हुए चित्रकूट क्षेत्र में प्रभावित लोगों के लिए राहत एवं आश्रय की व्यवस्था की गई। वन देवी आश्रम में दो हॉल खुलवाए गए हैं, जिनमें लगभग 100 लोगों के ठहरने की क्षमता है। नयागांव, केवठरा एवं लोसरिहा के प्रभावित लोगों के लिए भोजन के पैकेट तैयार कर रवाना किए गए। सतना से 2500 भोजन पैकेट नयागांव, केवठरा एवं लोसरिहा के लिए भेजे गए। नयागांव बाजार, केवठरा, रामधाम एवं बस स्टैंड क्षेत्र में भोजन वितरण किया गया। ग्रामों सोहास में भी बाढ़ प्रभावित लोगों को नाश्ता वितरित किया गया। तहसील कोठी के डाडिहोला में

पुंकेश सिंह के घर पर राहत शिविर बनाया गया है, जहाँ 44 लोगों के लिए राशन की व्यवस्था की गई है। ग्राम रनेही में भी प्रभावित परिवारों को राशन वितरित किया गया।

चिचकूट के आरोपग्राम एवं केवतारा क्षेत्र में एसडीआरएफ तथा एनडीआरएफ की टीमों द्वारा लगातार रेस्क्यू अभियान चलाया गया। प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के लिए वाहन भी रिजर्व रखे गए हैं। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए 6 टैक्सियां रिजर्व रखी गई हैं। प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में लगातार आनाउसमेंट कर लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की जा रही है। बाढ़ प्रभावित ग्राम रंगोली (रंगोली) में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोठी की मेडिकल टीम द्वारा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। स्वास्थ्य टीम ने ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा मौसमी बीमारियों एवं संक्रमण से बचाव के लिए आवश्यक दवाइयों का निरुशुल्क वितरण किया।

सतना। नगर में लगातार बढ़ते
तर एवं बाढ़ की स्थिति को
हुए नगर परिषद जैतवारा एवं
लेल प्रशासन पूरी तरह अलर्ट
गागरिकों की सुरक्षा को ध्यान
रखते हुए जलमग्न एवं
नशील मार्गों पर बैरिकेडिंग
आवगमन बंद कराया गया है।
नगर की टीम ने रेलवे अंडर
, जैतवारा-कुलकड़िया मार्ग
नरुस्त्रिया नाला के पास पुलिया
भितरि-पहुँच मार्ग पर

सुरवाह नाला के पास बोरकंडा एवं रस्सी लगाकर आवगमन गतिबंधित किया है। प्रशासन द्वारा निर्धारित से इन मार्गों पर जाने से बचने की अपील की गई है। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए वार्ड क्रमांक 6-7 के सेरगंज मोहल्ले तथा वार्ड क्रमांक 13 में जिन घरों में पानी पहुंच गया था, वहां रह रहे लोगों को सुरक्षित रूप से नौकाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। मौके पर मुख्य

गर्गर पालिका अधिकारी पंजाब
संसद, तहसीलदार जैतवारा ज्योति
सिंह, थाना प्रभारी अजय सिंह
सिंह, रिहल, पटवारी मनोज शैल, नगर
परिषद अतिक्रमण प्रभारी शैलेंद्र
संसद एवं स्वच्छता प्रभारी दीपेंद्र
संसद सहित नगर परिषद एवं
प्रशासन की टीम मौजूद रही। नगर
परिषद एवं प्रशासन की टीम
नगावत संवेदनशील क्षेत्रों का
निरीक्षण कर जलस्तर एवं बाढ़ की
स्थिति पर नजर रख रही हैं।

सतना जिले में अब तक
1103.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज
सतना। जिले में इस वर्ष 1 जून से 1 सितम्बर तक 1103.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की सतना (रघुराजगढ़) महसील में 1212.2 मि.मी., सोहावल (रघुराजगढ़) में 1170.3 मि.मी., बरौंश (मझगाँव) में 1316.8 मि.मी., बिरसिंहपुर में 1282 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 1163.2 मि.मी., नागौद में 1173.7 मि.मी., जसो (नागौद) में 702.7 मि.मी. एवं उन्नेहरा में 810 मि.मी. औसत वर्षा अब तक दर्ज की जा चुकी है।

सतना। सतना जिले में लगातार हो रही भारी बारिश अतिवृष्टि, नदी-नालों के उफान और जलभराव की स्थिति को देखते हुए छात्र-छात्राओं एवं आमजन की सुरक्षा के दृष्टिगत जिला प्रशासननगरपालिका द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. सतीश कुमार एस के आदेशानुसार सतना जिले में संचालित समस्त शैक्षणिक गतिविधियों के विद्यार्थी एवं शिक्षक 2 एवं 3 सितंबर 2026 को दो दिवस सतना का अतिरिक्त अवकाश घोषित किया गया है। जिला शिक्षा

अधिकारी सलोनो शर्मा द्वारा जा
आदेश के अनुसार यह अवकाश
सतना जिले में संचालित सैकरी
शासकीय, अशासकीय एवं केंद्री
विद्यार्थियों, जवाहर नवीद
विद्यालय, आईसीएसई, सीबीएस
तथा अन्य मान्यता प्राप्त शैक्षणिक
संस्थाओं में नर्सरी से कक्षा 12व
तक अध्ययनरत छात्र-छात्राओं प
लागू रहेगा। लगातार वर्ष के कार
नहीं-नाले उफान पर हैं तथा क
स्थानों पर आवागमन प्रभावित हो
की स्थिति को देखते हुए यह निर्ण
विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान

रखकर लिया गया है। कलेक्टर एन. जिला मजिस्ट्रेट सतना द्वारा जा.आदेश के अनुसार पूर्व में घोषित अवकाश की अवधि को बढ़ाते हुए शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों, आईटीआर, पॉलिटेक्निक कॉलेजों तथा स्नातक एवं स्नातकोत्तर सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों एवं संस्थानों अध्ययनरत छात्रार्थियों के लिए एन. 2 एवं 3 सितंबर 2026 तक अवकाश घोषित किया गया है। यद्यपि अवकाश केवल अध्ययनरत छात्र छात्राओं के लिए लागू रहेगा। आदेश

में स्पष्ट किया गया है कि यदि इतिहासिक स्थलों पर पुरातत्व विभाग की निगरानी नहीं होती है, तो वह यथावत नष्ट हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में संरक्षित शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक स्टाफ संस्थान प्रमुख के निर्देशानुसार उपस्थित रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। सभी संस्थान प्रमुखों को वर्षा एवं जलभराव से उत्पन्न परिस्थितियों को देखते हुए संस्थानों की परिसरभूमि पर महत्वपूर्ण अभिलेखों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

प्रश्न १। नगर पालिका क्षेत्र पञ्चायतों के बीच बँटव की स्थिति तथा नगर पंचायतों के विकास कार्य में नगर पालिका का योगदान क्या है ?
उत्तर— नगर पालिका क्षेत्र पञ्चायतों के बीच बँटव की स्थिति तथा नगर पंचायतों के विकास कार्य में नगर पालिका का योगदान निम्नलिखित है—
 १. नगर पालिका क्षेत्र पञ्चायतों के बीच बँटव की स्थिति
 २. नगर पालिका क्षेत्र पञ्चायतों के विकास कार्य में नगर पालिका का योगदान
 ३. नगर पालिका क्षेत्र पञ्चायतों के विकास कार्य में नगर पालिका का योगदान
 ४. नगर पालिका क्षेत्र पञ्चायतों के विकास कार्य में नगर पालिका का योगदान
 ५. नगर पालिका क्षेत्र पञ्चायतों के विकास कार्य में नगर पालिका का योगदान
 ६. नगर पालिका क्षेत्र पञ्चायतों के विकास कार्य में नगर पालिका का योगदान
 ७. नगर पालिका क्षेत्र पञ्चायतों के विकास कार्य में नगर पालिका का योगदान
 ८. नगर पालिका क्षेत्र पञ्चायतों के विकास कार्य में नगर पालिका का योगदान
 ९. नगर पालिका क्षेत्र पञ्चायतों के विकास कार्य में नगर पालिका का योगदान
 १०. नगर पालिका क्षेत्र पञ्चायतों के विकास कार्य में नगर पालिका का योगदान



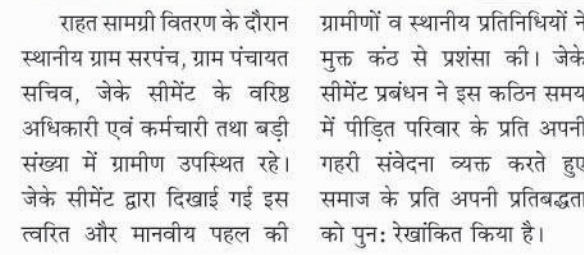
निहित और भी अन्य वार्डों की स्थिति यही है। सबसे गम्भीर हालात रानी बाग रोड स्थित, वेमल स्टील के सामने वाली कालोनी में सड़क पर दलदल के बीच नरकীয় जीवन जीने को लोग मजबूर हैं, नाली और नहि सड़क, मच्छों से गंभीर बीमारी का सामना करने को मजबूर है

डिवासी जिस पर नेता प्रतिपक्ष
कहा कि यदि व्यवस्था में सुधार
हीं किया गया तो कांग्रेस पार्टी
गगर पालिका के खिलाफ बड़ा
आन्दोलन करने के लिए मजबूर
गेगी। कांग्रेस ने एसडीएम संजय
गांगवंशी को ज्ञापन सौंपा है। इस
दौरान भारी संख्या में कांग्रेस पार्टी
के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता
अस्थित रहे जिसमें मुख्य रूप से
अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी के पूर्व
अध्यक्ष शिवजीत सिंह पूर्व
हामर्गरी दीपचंद्र अग्रवाल पूर्व
ल्लोक अध्यक्ष अक्षय तिवारी
पुंरेंद्र सिंह परमार जितेंद्र जाटव
गंगा बाबू पटेल पापेंद्र वैभव
पापक जगपाल सिंह नरेंद्र
वैश्वकर्मा अनुप श्रीवास फैज
रोहम्मद फैयाज मोहम्मद विजय
मेन फूल सिंह पटेल अशिरार
रोहम्मद विनोद बूजेंद्र जोशीरान
वनोद धर्मपाल अहिरवार
नुकमान खान आदि।

पन्ना। पन्ना पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में जिले में फरार आरोपियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना देवेन्द्रनगर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना प्रभारी देवेन्द्रनगर उनि. संतोष सिंह यादव के नेतृत्व में मॉडर्न पुलिस टीम द्वारा वर्ष 2024 से फरार चल रहे मोबाइल चोरी एवं चोरी किए गए मोबाइल में संचालित फोन पे के माध्यम से 1,56,000/- की राशि निकालने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। फरियादी प्रकाश सिंह उर्फ मिंटू, निवासी बड़ौदा कुँवरपुर, थाना देवेन्द्रनगर द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि दिनांक 10.02.2024 को उसके घर के सामने से परिचित व्यक्तियों द्वारा उसका रेडमी मोबाइल फोन चोरी कर लिया गया था। चोरी किए गए मोबाइल फोन में लगी राशि का उपयोग कर आरोपी द्वारा फरियादी के फन पे खाते के माध्यम से उसके बैंक खाते से कुल 1,56,000/- की राशि निकाले ली गई थी।

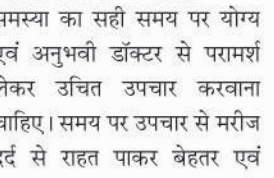
जेके सीमेंट ने बढ़ाया पवई। पवई तहसील क्षेत्र के ग्राम नारायणपुरा में घटी एक हद से विदारक घटना में बोरेवेल में उत्तर के कारण एक ही परिवार के ता सदस्यों की असमय मृत्यु हो गई। मुत्तकों में पिता अतार लाल वर्मा तथा उनके दो पुत्र उगार वर्मान सतीश वर्मान शामिल हैं। इस भीषण त्रासदी से अत्यंत निर्धन परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और मासूम बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया है।

घटना की जानकारी मिलते ही जेके सीमेंट प्रशा प्रबंधन ने तत्पर मानवीय संवेदनशिलता और अप सामाजिक दायित्व का परिचय देते हुए तत्काल राहत कार्य शुरू किया। जेके सीमेंट की आधिकारिक टी ने अविलंब पीड़ित परिवार के निवास स्थान पहुंचकर शोकाकुत परिवजनों से मुलाकात की, उन्हें ढाँस बंधाया और तत्काल राहत के रूप में सूखा राशन व आवश्यक खाद्य सामग्री सुपुर्द की।



पत्रा। पत्रा शैली हॉस्पिटल, मुम्बई द्वारा पत्रा स्थित मैस्कोट हॉस्पिटल में हड्डी एवं जोड़ु रोगों से निदानित शिल्पक परामर्श शिविर आयोजन किया गया। शिविर शुरू भारत के प्रसिद्ध जॉइंट समेट सर्जन डॉ. विकास ता ने 116 मरीजों को शिल्पक परामर्श दिया और उनकी शिकायतों की सही पहचान कर उपचार के संबंध में परामर्श किया।

इस दौरान डॉ. विकास सावला पत्रा प्रत्यारोपण के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि लोगों को घुटना प्रत्यारोपण से डरने की आवश्यकता नहीं है। घुटनों की



आत्मविश्वासपूर्ण जीवन जी सकते हैं। शिविर में पन्ना के ऐसे कई मरीज भी पहुंचे, जिनका घुटना अत्यल्परोपण पहले ही कराया जा चुका है। मरीजों ने अपने अनुभव साझा करने हुए बताया कि सर्जरी के बाद उन्हें दर्द एवं चलने-फिरने की समस्या में काफी राहत मिली है और वे अब सामान्य जीवन जी रहे हैं। शिविर में शैलबी हॉस्पिटल, नवबलपुर की ओर से डॉ. विकास नावला एवं अजय मौदगिल उपस्थित रहे। शिविर का उद्देश्य लोगों को हड्डी एवं जोड़ रोगों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें वैशेषज्ञ चिकित्सा परामर्श उपलब्ध कराना रहा।

पवई

पवई थाना क्षेत्र के वा
क्रमंक 08 निवासी बुजेश
नारायण द्विवेदी ने अपने घर क
ताला और सटकनी तोड़क
दरवाजा और से बंद किए जा
का आरोप लगाते हुए पुलिस
अधीक्षक पन्ना को शिकायत
आवेदन सौंपकर कार्रवाई क
मांग की है।

शिकायत में बुजेश नारायण
द्विवेदी ने बताया कि वह 2
अगस्त 2026 को अपने प्रा

सिंहासर खेती-किसानी के कार्य से गए थे। 24 अगस्त को दोपहर करीब 1 बजे जब वह वापस अपने पर्वई स्थित घर पहुंचे तो मुख्य गेट और बैठक का ताला कुंदे सहित टूटा हुआ मिला। दरवाजा खोलने का प्रयास करने पर अंदर से सटकनी बंद मिली। बैठक के कमरे का दरवाजा भी अंदर से बंद बताया गया।

शिकायतकर्ता के अनुसार वह तीन भाइयों में से एक हैं। माता-पिता द्वारा किए गए आपस खेतवारे में ऊपरी मजिल

का मकान उनके दोनों भाइयों के साथ मिला है, जबकि उनके निवास का हिस्सा अलग है। उन्होंने अपने बड़े भाई बद्री नारायण द्विवेदी एवं विजय नारायण द्विवेदी पर उनकी अनुपस्थिति का ताला एवं सटकनी तोड़कर घर में प्रवेश करने और अंदर से दरवाजा बंद करने की आशंका जताई है।

बृजेश द्विवेदी ने यह भी आरोप लगाया कि करीब आठ माह पूर्व भी उनके भाइयों द्वारा उनके निवास का ताला तोड़े जाने

को घटना हुई थी, जिसके बाद पुलिस की मदद से ताल खुलवाया गया था। इस बार उन्होंने घर में रखे गृहस्थी के सामान के साथ-साथ अलमारी में रखी नगदी एवं उनकी पत्नी के आभूषणों को लेकर भी आशंका व्यक्त की है।

आवेदन में उन्होंने बताया कि मकान एवं जमीन के संबंध में उनके भाइयों द्वारा न्यायालय पर्वई में प्रकरण भी दायर किया गया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि इसके बावजूद उनके

निवास पर जबरन कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है तथा उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी जा रही है।

बुजेश नारायण द्विवेदी ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि उनके घर का दरवाजा खुलवाया जाए, घटना की जांच कराई जाए तथा उनकी अनुपस्थिति में ताला एवं सटकनी तोड़ने के लिए ज़िम्मेदार लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाए।

प्रधान डकधर रीवा स्थित इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक का 9वां स्थापना दिवस उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रीवा डक संभाग के डक अधीक्षक पुष्पेन्द्र सिंह रहे।



कलेक्टर ने 193 आवेदन पत्रों में की जनसुनवाई

रीवा। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई मंक आमजनता के 193 आवेदन पत्रों में सुनवाई की। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी जनसुनवाई के आवेदनों का सात दिवस में निराकरण सुनिश्चित करें। आवेदनों का निराकरण ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज कराए। जनसुनवाई में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सृष्टि देशमुख, अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, डिप्टी कलेक्टर सुधीर बेक, डिप्टी कलेक्टर जितेन्द्र तिवारी तथा अन्य अधिकारियों ने भी आवेदनों में सुनवाई की। जनसुनवाई में अनिल शर्मा निवासी मड़वा ने उनके घर तथा आसपास जल भराव को दूर करने के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने तहसीलदार गोविंदगढ़ को तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। सौखीलाल केवट निवासी महसांव ने सहकारी समिति प्रबंधक द्वारा की गई धोखाधड़ी की



जाँच के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने जिला प्रबंधक सहकारी बैंक को मामले की जाँच के निर्देश दिए। प्रदीप मिश्रा निवासी शाहपुर ने खसरे में सुधार के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट कार्यालय के रीडर को प्रकरण कार्यवाही के लिए प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। मिथिलेश मिश्रा निवासी ग्राम बोरखाम ने पूर्व माध्यमिक विद्यालय से अतिक्रमण हटाने के लिए आवेदन दिया।

कलेक्टर ने तहसीलदार सेमरिया को मौके पर जाकर कार्यवाही के निर्देश दिए। जनसुनवाई में राजेश सौंधिया निवासी रीवा ने अति वर्षा से फूल-माला दुकाने के क्षतिग्रस्त होने पर राहत राशि के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने तहसीलदार हुजूर नगर को आवेदन के निराकरण के निर्देश दिए। ग्रामवासी इटौरा ने जनसुनवाई में सड़क निर्माण के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री

लोक निर्माण विभाग को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। अरविंद पटेल ने त्योंथर क्षेत्र में खनिजों के अवैध उत्खनन को रोकने के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने एसडीएम त्योंथर को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। पम्पू कोरी निवासी ग्राम खिरामा ने आम रास्ता खोलने के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने तहसीलदार रायपुर कर्चुलियान को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। जनसुनवाई में बाढ़ राहत, बिजली बिलों में सुधार, मजदूरी भुगतान, मध्यान्ह भोजन के मानदेय भुगतान, पेंशन प्रकरण तथा अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों सहित विभिन्न आवेदनों में सुनवाई की गई।

जन विश्वास शिविर 5 सितम्बर को गुड़ में

रीवा। आम जनता के आवेदन पत्रों का मौके पर निराकरण करने तथा शासन की योजनाओं की मानीटरिंग के लिए मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत रीवा जिले का चौथा शिविर 5 सितम्बर को गुड़ नगर परिषद में सुबह 11 बजे से आयोजित किया जा रहा है। इस संबंध में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि शासन की उच्च प्राथमिकता के मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान शिविर में सीएम हेल्लप्लाइन, जनसुनवाई तथा लोक सेवा गारंटी योजना में दर्ज आवेदनों का निराकरण किया जाएगा। कलेक्टर ने एसडीएम गुड़, सीईओ जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान तथा सीएमओ गुड़ को शिविर के लिए आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि अधिकारी शिविर में शामिल होने के साथ-साथ अधीनस्थ कार्यालयों, छात्रावास, अस्पताल, उचित मूल्य दुकान आदि का निरीक्षण करें।

भक्ति, लोक और कृष्ण-संस्कृति का रंगमंच 4 सितम्बतर को

श्रीकृष्ण पर्व में होंगी श्रीकृष्ण आख्यान की मनोहारी कला-अभिव्यक्तियाँ

रीवा। भगवान श्रीकृष्ण के जीवन-दर्शन, लोक आस्था और भारतीय सांस्कृतिक परंपरा को कला के विविध रंगों में प्रस्तुत करने के उद्देश्य से रीवा में श्रीकृष्ण पर्व का आयोजन किया जा रहा है। श्रीकृष्ण पाथेय न्यालस, मधुप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन रीवा के सहयोग से यह आयोजन 4 सितम्बर 22 को शाम 7 बजे टाउन हॉल, रीवा में आयोजित होगा, जिसमें संगीत, लोकगायन, नृत्य और भक्ति की भावपूर्ण प्रस्तुतियों से दर्शकों को कृष्णमय कर देगा।

संस्कृतिय विभाग के संचालक एनपी नामदेव ने बताया कि इस कार्यक्रम में श्रीकृष्ण के जीवन और उनके बहुआयामी व्यक्तित्व को अलग-अलग कला विधाओं के माध्यम से अभिव्यक्त

किया जाएगा। कार्यक्रम का आरंभ बघेली लोकगायन की सुमधुर प्रस्तुति से होगी। रीवा की सुश्री कल्याणी मिश्रा एवं साथी अपनी प्रस्तुति के माध्यम से स्थानीय लोकभाषा और लोक संस्कृति में रचे-बसे कृष्ण भाव को स्वर देंगी। इसके पश्चात सुश्री आस्था सिजारिया एवं साथी, कटनी द्वारा श्रीकृष्ण केन्द्रित नृत्य नाटिका प्रस्तुत की जाएगी, जिसमें नृत्य और अभिनय के माध्यम से कृष्ण की लीलाओं एवं जीवन-दर्शन की

मनोहारी झलक देखने को मिलेगी। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण भक्ति गायन होगा, जिसमें सुश्री वैशाली रैकवार एवं साथी, भोपाल भक्तिमय प्रस्तुतियों से वातावरण को आध्यात्मिक रंग से सराबोर करेंगे। कार्यक्रम में प्रवेश निशुल्क रहेगा। उन्होंने बताया कि 'श्रीकृष्ण पर्व' केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोक परंपरा, भक्ति और भारतीय जीवन-दर्शन से जुड़ने का अवसर है।

सभी संबंधित अधिकारी टीएल बैठक में उपस्थित रहें : कलेक्टर

रीवा। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा है कि प्रत्येक सोमवार को सुबह 11 बजे से टीएल पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की जाती है। बैठक में सीएम हेल्लप्लाइन तथा जनसुनवाई के प्रकरणों के निराकरण की विभागवार समीक्षा की जाती है। बैठक में भू-अर्जन तथा भू-आवंटन के प्रस्तावों एवं विभागीय समन्वय के बिन्दुओं पर भी चर्चा की जाती है। सभी संबंधित अधिकारी विभाग की अद्यतन जानकारी के साथ बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें।

जिले में अब तक 631 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

जिले में वर्षा का जोर कायम - तराई में बढ़ा नदी-नालों का जल स्तर

रीवा। जिले में पिछले 72 घंटों से वर्षा का जोर बना हुआ है। रीवा, मैहर तथा सतना जिले में रूक-रूक कर हो रही भारी वर्षा से जनजीवन प्रभावित हुआ है। इन क्षेत्रों में वर्षा के कारण तराई के त्योंथर क्षेत्र में टमस तथा उसकी सहायक नदियों का जल स्तर बढ़ रहा है। जिले में एक सितम्बर को 35.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दिन तहसील हुजूर में 71 मिलीमीटर, रायपुर कर्चुलियान में 18 मिमी, गुड़ में 42 मिमी, सिरमौर में 15 मिमी, त्योंथर में 34 मिमी, सेमरिया में 17 मिमी, मनगवां में

20 मिमी तथा जवा में 65 मिमी वर्षा दर्ज की गई। जिले में एक जून से अब तक 631 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस अवधि में तहसील हुजूर में 788.3 मिमी, रायपुर कर्चुलियान में 685.3 मिमी, गुड़ में 946 मिमी, सिरमौर में 581.4 मिमी, त्योंथर में 432 मिमी, सेमरिया में 499 मिमी, मनगवां में 435 मिमी और जवा में 681 मिमी वर्षा दर्ज की गई। गत वर्ष इसी अवधि में जिले में 742.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई थी। रीवा जिले की सामान्य औसत वर्षा 1044.6 मिमी है। जिले के सिंचाई

का प्रमुख स्रोत बाणसागर बांध का जल स्तर अधिकतम 341.64 मीटर है। बांध का जल स्तर 341.62 मीटर हो जाने के बाद 30 अगस्त को दोपहर 2 बजे से बांध के 6 गेट दो-दो मीटर खोले गए। पानी की अधिक आवक होने के कारण इनकी संख्या 31 अगस्त को बढ़ाकर 8 कर दी गई है। बांध से सोन नदी में 3374 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा है, जिसके कारण सोन नदी के किनारे के सीधी और सिंगरौली जिले के गांवों को नदी का जल स्तर बढ़ने की चेतावनी जारी की गई है।

नगर निगम की बड़ी कार्रवाई, बीहर नदी के ग्रीन बेल्ट पर बना अवैध निर्माण ढहाया।

ग्रीन बेल्ट में अनाधिकृत तरीके से कराया गया था निर्माण, नोटिस के बाद भी नहीं हटाया गया अवैध निर्माण, निगम ने किया ध्वस्तीकरण

रीवा। बीहर नदी के ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में किए गए अनाधिकृत निर्माण के विरुद्ध नगर निगम रीवा द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई। निगम आयुक्त श्री अक्षत जैन के निर्देशानुसार नगर निगम की टीम ने जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के सहयोग से जेन 01 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 05, डेकहा हमीदिया कॉलोनी के आगे स्थित 'बदिका फार्म हाउस' में किए गए अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। नदी के ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में बिना भवन अनुज्ञा के किए गए निर्माण को लेकर नगर निगम द्वारा संबंधितों को पूर्व में नियमानुसार नोटिस जारी कर स्वयं निर्माण हटाने का अवसर दिया गया था, लेकिन निर्धारित अवधि में निर्माण नहीं हटाए जाने पर मंगलवार को ध्वस्तीकरण की



कार्रवाई की गई। सुबह से शुरू हुई यह कार्रवाई जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं नगर निगम प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न हुई। उल्लेखनीय है कि विगत समय में किए गए निरीक्षण के दौरान पाया गया था कि श्री सुनील कुमार सिंह आत्मज श्री बदी सिंह द्वारा बीहर नदी के किनारे

निगम अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के विपरीत एवं नदी के ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में होने से पूर्णतः अनाधिकृत श्रेणी में आते हैं। नगर निगम प्रशासन द्वारा ध्वस्तीकरण की कार्रवाई से पूर्व संबंधितों को नियमानुसार पूरा अवसर एवं पर्याप्त समय प्रदान किया गया। दिनांक 17 जुलाई 2026 को म.प्र. नगर पालिक निगम अधिनियम, 1956 की धारा 307 के अंतर्गत सूचना पत्र क्रमांक 193 एवं 194 जारी कर संबंधितों को 07 दिवस के भीतर अपना पक्ष, स्पष्टीकरण तथा संबंधित अभिलेख प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया था। किन्तु निर्धारित अवधि में न तो अवैध निर्माण हटाया गया और न ही कोई जवाब प्रस्तुत किया गया। इसके उपरांत दिनांक 27 अगस्त 2026

को धारा 307(2) के अंतर्गत अंतिम सूचना पत्र क्रमांक 361 एवं 362 जारी कर संबंधितों को 03 दिवस के भीतर स्वयं अवैध निर्माण हटाकर अधोहस्ताक्षरकर्ता को सूचित करने हेतु निर्देशित किया गया। सूचना पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया था कि निर्माण न हटाए जाने की स्थिति में निगम द्वारा ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी तथा उसमें लगने वाले समस्त हर्जा-खर्च की वसूली संबंधित से की जाएगी, जिसकी जवाबदारी उनको स्वयं की होगी। इस प्रकार संबंधितों को सूचना पत्र जारी होने से कार्रवाई तक पर्याप्त समय दिया गया। इसके बावजूद निर्माण नहीं हटाया गया, फलस्वरूप निगम को ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करनी पड़ी।

जनसुनवाई में 38 आवेदनों पर हुई सुनवाई

कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए त्वरित एवं संवेदनशील निराकरण के निर्देश



की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में कुल 38 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर

ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक आवेदन

को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ लेते हुए नियमानुसार त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आवेदनों पर की गई कार्यवाही से संबंधित आवेदक को भी अवगत कराया जाए तथा जिन प्रकरणों में समय लगना है, उनमें स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित कर कार्यवाही की जाए। जनसुनवाई में पूजा मिश्रा, निवासी अमिलिया द्वारा भूमि के विक्रय पत्र में दर्ज चौहद्दी में त्रुटि होने

संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया गया। इसी प्रकार रमाशंकर विश्वकर्मा, ग्राम पंचायत पटेहरा द्वारा दियायोजन के लिए निःशुल्क आवश्यक सहायता/उपकरण उपलब्ध कराने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया गया। जनसुनवाई में जय लाल केवट निवासी वार्ड क्रमांक 02 ने आवेदन किया है कि घर के पास अवैध रूप से संचालित शराब बिक्री पर रोक लगाई जाए।

दुर्घटना पीड़ितों को मुख्यमंत्री सहायता कोष से मिलेंगे दो-दो लाख रुपए

मुख्यमंत्री ने पीड़ितों के लिए दो-दो लाख रुपए देने की घोषणा की

रीवा। प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दो दुर्घटना में मृत व्यक्तियों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए देने की घोषणा की है। यह सहायता राशि मुख्यमंत्री सहायता कोष से दी जाएगी। गत दिवस रीवा जिले के प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री जी को इन दुर्घटनाओं से अवगत कराया गया। मुख्यमंत्री ने दुर्घटना में दिवंगत व्यक्तियों को

श्रद्धांजलि देते हुए उनके परिजनों को आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। इस संबंध में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि संजय गांधी अस्पताल में 26 अगस्त को उपचार के दौरान श्रीमती कल्पना मिश्रा निवासी ग्राम हटवा की दुखद मौत हो गई थी। इस घटना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए ड्यूटी पर तैनात दो डॉक्टरों और दो पैरामेडिकल स्टाफ के विरुद्ध

निलंबन की कार्यवाही की गई। इसी तरह 29 अगस्त को रीवा में एक निजी अस्पताल में लिफ्ट गिरने की दुर्घटना में सुरेश सेन निवासी ग्राम लालपुर जिला मैहर की आकस्मिक मौत हो गई। इन दोनों दुर्घटनाओं में मृत व्यक्तियों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय को प्रस्ताव भेजा गया।

इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक का मनाया गया 9वां स्थापना दिवस

रीवा। प्रधान डकधर रीवा स्थित इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक का 9वां स्थापना दिवस उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रीवा डक संभाग के डक अधीक्षक पुष्पेन्द्र सिंह रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन तक बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाओं की आसान पहुंच सुनिश्चित करने तथा डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक द्वारा उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सेवाओं के बारे में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों एवं आम नागरिकों को जानकारी दी गई। आईपीपीबी के माध्यम से ग्राहकों को घर बैठे बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-

साथ डिजिटल भुगतान धन अंतरण बिल भुगतान आधार आधारित बैंकिंग सहित विभिन्न सुविधाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। समारोह में डक अधीक्षक ने कहा कि इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की विशेषता यह है कि डक विभाग के विस्तृत नेटवर्क एवं डक कर्मचारियों की पहुंच के माध्यम से बैंकिंग सेवाएं दूर-दराज के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों तक पहुंचाई जा रही है। इससे विशेष रूप से उन लोगों को लाभ मिल रहा है जिन्हें पारंपरिक बैंकिंग सेवाओं तक पहुंचने में कठिनाई होती है। कार्यक्रम में मैनेजर आईपीपीबी रीवा शाखा मनीष तिवारी ने कहा कि इण्डिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक वित्तीय समावेशन को मजबूत करने

और प्रत्येक नागरिक तक सरल सुरक्षित एवं सुलभ बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। डक विभाग और आईपीपीबी मिलकर देश के प्रत्येक वर्ग को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। श्री तिवारी ने बताया कि रीवा शाखा अंतर्गत प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि कुल 30531 खाते, मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के 91140 खाते, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के 58595 खाते, पहल एलपीजी सब्सिडी के 32230 खाते मनरेगा के 11725 खाते, सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 6262 से ज्यादा खाते आमजन के आईपीपीबी शाखा रीवा द्वारा खोला जा चुका है।

अधिवक्ता रमाशंकर तिवारी व हेमंत तिवारी की पैरवी रंग लाई

गंभीर धाराओं के मामले में आरोपी बरी

बीएनएस की धारा 137(2) एवं 140(3) के मामले में ट्रायल कोर्ट, सेशन कोर्ट और हाईकोर्ट से खारिज हो चुकी थी जमानत याचिका

रीवा। गंभीर अपराधिक धाराओं के एक मामले में शुरुआत से ही जेल में निरुद्ध रहे आरोपी को आखिरकार न्यायालय से बड़ी राहत मिली है। लंबे समय तक चले विचारण के बाद न्यायालय ने अपना अंतिम निर्णय सुनाते हुए आरोपी को आरोपों से बरी कर दिया। मामला थाना मनगवां, जिला रीवा के अपराध क्रमांक 0223/2025 से संबंधित है। पुलिस द्वारा दर्ज प्रकरण में आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 137(2) एवं धारा 140(3) के तहत कार्रवाई की गई थी। मामले

को एफआईआर 13 मई 2025 को दर्ज की गई थी। प्रकरण की गंभीरता के चलते आरोपी को शुरुआत से ही जमानत नहीं मिल सकी। आरोपी की जमानत याचिकाएं पहले ट्रायल कोर्ट, इसके बाद सेशन कोर्ट और फिर हाईकोर्ट तक से खारिज हो चुकी थीं। इसके कारण आरोपी मामले के प्रारंभ से लेकर विचारण

की अवधि तक जेल में निरुद्ध रहा। मामले का विचारण न्यायालय में हुआ। विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों एवं गवाहों के कथनों के आधार पर मामले की सुनवाई की गई। आरोपी की ओर से अधिवक्ता रमाशंकर तिवारी एवं अधिवक्ता हेमंत तिवारी ने प्रभावी पैरवी करते हुए न्यायालय के समक्ष मामले के तथ्यों एवं अभियोजन पक्ष के साक्ष्यों पर विस्तार से अपना पक्ष रखा। लंबी न्यायिक प्रक्रिया के बाद

न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों और दोनों पक्षों की दलीलों पर विचार करते हुए अपना अंतिम फैसला सुनाया और आरोपी को आरोपों से बरी कर दिया। गौरतलब है कि जिस आरोपी को मामले की गंभीर धाराओं के कारण ट्रायल कोर्ट से लेकर सेशन कोर्ट और हाईकोर्ट तक जमानत नहीं मिल सकी थी, उसे अंततः मुकदमे के अंतिम निर्णय में बरी किए जाने से बड़ी राहत मिली है। मामले में अधिवक्ता रमाशंकर तिवारी एवं अधिवक्ता हेमंत तिवारी की ओर से की गई प्रभावी पैरवी महत्वपूर्ण रही।

स्वतंत्राधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करीदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी, आर.एन.आई नं. 47589/88, डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633, 7389444833